R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 162
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
गुरुवार, 19 फरवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 बोर्ड परीक्षा में बाधा डाल रहा डीजे प्रशासन मौन
5 बनकट में 16 लाख की लागत से आरसीसी सड़क ...
7 प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड में अपनी सफलता का ...

सीसीटीवी में कैद हुए मौत की लाइव वीडियो बैडमिंटन खेलते खेलते आया हार्ट अटैक शटल उठाते ही बिजनेसमैन के निकले प्राण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जिंदगी और मौत के बीच का फासला कितना कम हो सकता है, इसका एक हृदयविदारक उदाहरण छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में देखने को मिला। एक शख्स जो अपनी सेहत को लेकर बेहद सजग था और हर रोज की तरह खेल के मैदान में पसीना बहा रहा था, अचानक मौत के आगोश में समा गया। खेल के बीच में हुई इस अनहोनी का लाइव वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने फिटनेस के प्रति जागरूक लोगों के मन में कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

मामला रायपुर के डीडी नगर थाना अंतर्गत अश्विनी नगर का है। यहां के सोनकर बाड़ी ग्राउंड में 57 वर्षीय व्यवसायी अमृत बजाज रोजाना बैडमिंटन खेलने जाते थे। चश्मदीदों और वायरल वीडियो के मुताबिक, अमृत पूरी ऊर्जा के साथ मैच खेल रहे थे। उन्होंने एक शानदार शॉट मारा और जैसे ही शटल कॉक उठाने के लिए नीचे झुके, वे अचानक लड़खड़ाकर जमीन पर गिर पड़े। साथी खिलाड़ी तुरंत उनकी मदद के लिए दौड़े, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। मृतक के परिजनों का कहना है कि अमृत बजाज अपनी सेहत को लेकर बहुत अनुशासित थे। कोरोना काल के बाद से उन्होंने व्यायाम और बैडमिंटन को अपनी दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा बना लिया था। हालांकि वे शुगर के मरीज थे, लेकिन किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहते थे। रायपुर के ओपन बैडमिंटन कोर्ट में यह इस तरह की पहली बड़ी घटना मानी जा रही है, जिसने खेल प्रेमियों को स्तब्ध कर दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले मई 2025 में सप्रे कोर्ट में भी एक 35 वर्षीय युवक की इसी तरह खेलते हुए जान चली गई थी। इस घटना ने एक बार फिर 'सडन कार्डियक अरेस्ट' की गंभीरता को उजागर किया है। हृदय रोग विशेषज्ञों के अनुसार, कार्डियक अरेस्ट ऐसी स्थिति है जहाँ दिल अचानक धड़कना बंद कर देता है। डॉक्टरों की सलाह है कि 40 की उम्र पार कर चुके लोगों को भारी व्यायाम या खेल के दौरान अपने शरीर के संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर खेलते समय अचानक जरूरत से ज्यादा पसीना आए, घबराहट हो, सीने में भारीपन लगे या चक्कर आएं, तो तुरंत रुक जाना चाहिए। ऐसी आपात स्थिति में 'सीपीआर' देना जान बचाने में संजीवनी साबित हो सकता है।

बिना पेनिट्रेशन प्राइवेट पार्ट रगड़ना रेप नहीं, रेप की कोशिश- छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट

बिलासपुर **(एजेंसी)**। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने रेप के मामले में एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट के मुताबिक, पुरुष द्वारा अपना प्राइवेट पार्ट महिला के वजाइना के ऊपर रगड़ना और बिना पेनिट्रेशन के इजैक्युलेट करना यह आईपीसी की धारा 375 के तहत 'रेप' नहीं कहा जा सकता, बल्कि यह रेप अटेंप्ट यानी 'रेप की कोशिश' में आएगा। मेडिकल साक्ष्यों में पीड़िता का हाइमन सुरक्षित पाए जाने पर कोर्ट ने दोषी की सजा को संशोधित करते हुए सात साल से घटाकर साढ़े तीन साल कर दिया है। न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार व्यास की पीठ ने सोमवार 16 फरवरी को अपीलकर्ता की याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए रेप की सजा को रेप की कोशिश में बदलते हुए यह फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि हालांकि आरोपी का इरादा स्पष्ट था, लेकिन पूर्ण पेनेट्रेशन के अभाव में यह कृत्य रेप में नहीं आता। बिना पेनिट्रेशन के इजैक्युलेशन रेप करने की कोशिश है, असल में रेप नहीं। रेप सिद्ध करने के लिए सबूत मौजूद होने चाहिए।

घटना 21.05.2004 की है। अपील करने वाला विक्टिम (लड़की) को ज़बरदस्ती अपने घर ले गया, जहां उसने दोनों के कपड़े उतार दिए और उसकी मर्ज़ी के बिना सेक्स किया और उसके बाद उसने उसे अपने घर के कमरे में बंद कर दिया, उसके हाथ-पैर बांध दिए और उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया।

मामला दर्ज हुआ और उसके खिलाफ चार्जशीट फाइल की गई। धमतरी के एडिशनल सेशंस जज ने उसे आईपीसी की धारा 376(1) और 342 के तहत दोषी पाया। सज़ा के आदेश और उसके तहत दी गई सज़ा को चुनौती देते हुए अपील करने वाले ने हाईकोर्ट में अपील की। ट्रायल के दौरान, पीड़िता ने आरोप लगाए कि आरोपी ने (विक्टिम) अपना प्राइवेट पार्ट उसकी वजाइना में डाला। हालांकि, बाद में उसने कहा कि अपील करने वाले ने अपना प्राइवेट पार्ट लगभग 10 मिनट तक उसकी वजाइना के ऊपर रखा था, लेकिन डाला नहीं। वहीं उसकी मेडिकल जांच में रेप की पुष्टि नहीं हुई लेकिन पीड़िता के अंडरगारमेंट से ह्यूमन स्पर्म मिला। इसी के आधार पर मेडिकल रिपोर्ट में थोड़ा पेनिट्रेशन संभावना जताई गई। क्योंकि पीड़िता ने अपने प्राइवेट पार्ट में दर्द की शिकायत की बात कही थी। जिसके आधार पर रेप की संभावना जताई गई। लेकिन पक्का कुछ नहीं कहा गया।

दोनों पक्षकारों को सुनने के बाद कोर्ट ने पीड़िता के अलग-अलग बयानों पर गौर किया। दोनों में अलग अलग बातें कहीं गई। एक में पेनिट्रेशन होना और दूसरे में कहा कि बिना पेनिट्रेशन किए सिर्फ़ 10 मिनट तक अपना प्राइवेट पार्ट उसकी वजाइना के ऊपर रखा।

जस्टिस व्यास के मुताबिक, रेप के जुर्म के लिए पेनेट्रेशन ज़रूरी था। उन्होंने आगे कहा- 'आईपीसी की धारा 376 के तहत सज़ा के लिए हल्का-सा पेनेट्रेशन भी काफ़ी है। लेकिन रेप के जुर्म के लिए पेनेट्रेशन जरूरी है और इसे साबित करने के लिए ठोस सबूत होने चाहिए। आरोपी ने रेप की कोशिश की, लेकिन रेप नहीं किया। इसलिए अपील करने वाले को आईपीसी की धारा 376(1) के बजाय आईपीसी की धारा 376/511 के तहत सज़ा के लायक जुर्म के लिए दोषी ठहराया गया।

भारतीय नौसेना देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह सर्तक है-राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विशाखापत्तनम में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा के दौरान कहा कि भारतीय नौसेना देश के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह सतर्क रहने के साथ-साथ व्यापक समुद्री वाणिज्य गतिविधियों की स्थिरता में भी योगदान दे रही है। बंगाल की खाड़ी में भारतीय नौसेना के युद्धपोत पर सवार होकर विशाखापत्तनम तट पर अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा (इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू.... आईएफआर) की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय नौसेना समुद्र में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों और खतरों के खिलाफ रक्षा और प्रतिरोध के एक विश्वसनीय साधन के रूप में क्षेत्र में तैनात है।

मुर्मू ने कहा, 'भारतीय नौसेना देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह सर्तक है और व्यापक समुद्री वाणिज्यिक गतिविधियों की स्थिरता में योगदान दे रही है।' उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय नौसेना दुनिया भर की नौसेनाओं के साथ सद्भावना को बढ़ावा देने और विश्वास, भरोसे व दोस्ती का सेतु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राष्ट्रपति के अनुसार, विशाखापत्तनम का समुद्री इतिहास गौरवशाली रहा है। उन्होंने कहा कि आज का आयोजन विशाखापत्तनम के निरंतर नौसैनिक महत्व को रेखांकित करता है। भारतीय नौसेना की पूर्वी नौसेना कमान (ईएनसी) का मुख्यालय विशाखापत्तनम में स्थित है।

भारत और उसके मित्र देशों की नौसेनाओं के युद्धपोतों के प्रभावशाली बेड़े और नौसैनिकों के प्रदर्शन को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने उन्हें बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा कि आईएफआर समुद्री परंपराओं के प्रति राष्ट्रों के बीच एकता, विश्वास और सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के जहाज और अलग-अलग देशों के नाविक एकजुटता की भावना का प्रदर्शन करते हैं। मुर्मू ने समुद्रों के साथ भारत के संबंधों पर कहा कि यह संबंध सदियों पुराने, गहरे और स्थायी हैं। उन्होंने महासागरों को भारत के लिए वाणिज्य, संपर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मार्ग बताया। राष्ट्रपति ने कटक में 'कार्तिक पूर्णिमा' से शुरू होने वाले सप्ताह के दौरान उत्साहपूर्वक मनाए जाने वाले 'बाली यात्रा' उत्सव का उल्लेख करते हुए कहा कि यह त्योहार वर्तमान ओडिशा के प्राचीन नाविकों के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति है। उन्होंने रेखांकित किया कि यह उत्सव प्राचीन कलिंग काल से विभिन्न उद्देश्यों के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया की नियमित समुद्री यात्राओं की परंपरा को परिलक्षित करता है। राष्ट्रपति ने कहा, 'इन यात्राओं ने व्यापार और वस्तुओं, विचारों और मूल्यों के आदान-प्रदान और उनकी भावना में योगदान दिया है, जिसने पूरे क्षेत्र में एक साझा सांस्कृतिक चेतना को आकार दिया।' मुर्मू ने कहा कि यह बेड़ा समीक्षा भारत के 'महासागर' के एकीकरण की भावना को आगे बढ़ाती है, जिसका अर्थ इस क्षेत्र में सुरक्षा और विकास की पारस्परिक तथा ऐतिहासिक उन्नति है।

हिलेरी क्लिंटन का बड़ा बयान : 'जलवायु जंग में भारत ग्लोबल इनोवेशन हब, राजनीतिक बदलाव का इंतजार नहीं कर सकते'

मुम्बई **(एजेंसी)**। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने मुंबई में आयोजित मुंबई जलवायु सप्ताह के उद्घाटन सत्र में भारत की जमकर तारीफ करते हुए उसे जलवायु परिवर्तन से निपटने में वैश्विक नवाचार का केंद्र बताया। फायरसाइड चैट में क्लिंटन ने साफ शब्दों में कहा कि अमेरिका या दुनिया में राजनीतिक बदलाव का इंतजार किए बिना अभी समाधान तैयार करने होंगे। उन्होंने कहा, 'हम अमेरिका में राजनीतिक बदलाव का इंतजार नहीं कर सकते। इसमें वक्त लगेगा। हमें यहीं मॉडल बनाने होंगे, यहीं इनोवेशन करना होगा।' क्लिंटन ने जमीनी स्तर के नवाचारों की मिसाल देते हुए एक ऐसे बीमा मॉडल का जिक्र किया, जिससे अब तक 5 लाख महिलाएं जुड़ चुकी हैं । जिनके पास पहले कभी कोई बीमा नहीं था।उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सामाजिक काम नहीं, बल्कि स्मार्ट इकोनॉमिक मॉडल भी है, जो नए बाजार खोलता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जलवायु संकट से निपटने के लिए सरकार, निजी कंपनियों और परोपकारी संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। इसी संदर्भ में उन्होंने क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव की भूमिका बताते हुए कहा कि यह मंच ऐसे भागीदारों को जोड़ता है जो कठिन लेकिन असरदार काम करना चाहते हैं।

क्लिंटन ने जलवायु परिवर्तन को आर्थिक न्याय और स्वास्थ्य से जोड़ते हुए कहा कि जीवाश्म ईंधन से निकलने वाला प्रदूषण दिल्ली और बीजिंग जैसे शहरों में बच्चों की सेहत पर सीधा असर डाल रहा है। उनके शब्दों में, 'जब मैं जलवायु की बात करती हूं, तो मैं स्वास्थ्य की भी बात करती हूं।' उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे बड़े पीढ़ीगत धन हस्तांतरण के दौर में परोपकार को सिर्फ राहत तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन संरचनात्मक असमानताओं को तोड़ना होगा जो जलवायु संकट को जन्म देती हैं। क्लिंटन ने विश्वास जताया कि मुंबई क्लाइमेट वीक जैसे मंच भारत को जलवायु समाधान का वैश्विक प्रयोगशाला बनाएंगे और यहीं से दुनिया को दिशा मिलेगी।

प्रदेश की सियासत में मायावती का बड़ा धमाका अखिलेश को दिखाया ठेंगा, बोलीं- 'गठबंधन बसपा को खत्म करने की गहरी साजिश'

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के बीच गठबंधन की चर्चाओं पर मायावती ने पूरी तरह विराम लगा दिया है। बसपा सुप्रीमो ने साफ तौर पर कहा कि गठबंधन की खबरें सिर्फ एक 'दुष्प्रचार' हैं और बसपा 2027 का विधानसभा चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ेगी।

राजधानी लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए मायावती ने विरोधियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि गठबंधन से हमेशा बसपा के वोट बैंक को नुकसान होता है और दूसरी पार्टियों को फायदा। सपा, कांग्रेस और बीजेपी–तीनों ही पार्टियां 'अंबेडकर विरोधी' हैं।समर्थक ऐसी अफवाहों से सावधान रहें, क्योंकि यह पार्टी को कमजोर करने की साजिश है।

दरअसल, यह पूरा विवाद अखिलेश यादव के उस बयान से शुरू हुआ जिसमें उन्होंने बसपा के साथ रिश्तों में 'मिठास' आने की बात कही थी। अखिलेश ने रविवार को कहा था कि बसपा के साथ रिश्ते मजबूत हो रहे हैं और भविष्य में ये और भी गहरे होंगे। इंर्ड (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की ताकत बढ़ाने के लिए साथ आना जरूरी है। अखिलेश ने बाबा साहेब-लोहिया और मुलायम-कांशीराम के पुराने गठबंधनों का हवाला देकर साथ आने के संकेत दिए थे।

अखिलेश और मायावती के बीच चल रही इस 'सियासी नूरा-कुश्ती' में बीजेपी भी कूद पड़ी है। योगी सरकार के मंत्री धर्मपाल सिंह ने अखिलेश यादव को घेरते हुए कहा कि पूरा देश जानता है कि 'गेस्ट हाउस कांड' में मायावती के साथ क्या हुआ था। बीजेपी ने इस पूरी कोशिश को सिर्फ 'अवसरवादिता' करार दिया है।

मायावती के इस बयान के बाद अब यह साफ हो गया है कि उत्तर प्रदेश में फिलहाल 'सपा-बसपा' के साथ आने की कोई गुंजाइश नहीं है। मायावती ने स्पष्ट कर दिया है कि वे किसी के कंधे का सहारा लेने के बजाय अकेले ही सरकार बनाने के मिशन पर निकलेंगी।

मध्य प्रदेश बजट पर सियासी घमासान

मुख्यमंत्री मोहन ने गिनाईं उपलब्धियां कांग्रेस ने बताया खोखला दस्तावेज

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को 2026-27 के राज्य बजट पर बोलते हुए समावेशी विकास, सुशासन, पर्यावरण, पर्यटन और सांस्कृतिक पुनरुद्धार के लिए किए गए आवंटनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह बजट समग्र, समावेशी विकास, सुशासन, पर्यावरण, पर्यटन और सांस्कृतिक पुनरुद्धार पर केंद्रित है। हमने 2047 तक एक समृद्ध मध्य प्रदेश बनाने का संकल्प लिया है। हमने जर्जर पुलों और पुलियों की मरम्मत के लिए 900 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। 2028 के सिंहस्थ महोत्सव के लिए लगभग 13, 851 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मोहन यादव ने आगे कहा कि हमने स्कूलों में बच्चों को भोजन के साथ दूध उपलब्ध कराने की पहल शुरू की है और सरकार ने इसके लिए पांच वर्षों में 6, 600 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हमने बजट में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के लिए लगभग 24, 000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हम कोई भी योजना बंद नहीं कर रहे हैं; हम पर्याप्त धनराशि निवेश कर रहे हैं। वीबी-जी-राम-जी के लिए 28, 000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह बजट एक खुशहाल और समृद्ध मध्य प्रदेश का निर्माण करेगा।

इस बीच, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र (जीतू) पटवारी ने पिछले वित्तीय वर्ष में केंद्र सरकार द्वारा आवंटित धनराशि के कारण राज्य की आर्थिक चुनौतियों का हवाला देते हुए बजट की आलोचना की।

एएनआई से बात करते हुए पटवारी ने कहा, 'मध्य प्रदेश के बजट में लगभग 45 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। लेकिन पिछले वित्तीय वर्ष में हमें केंद्र सरकार से 50, 000 करोड़ रुपये नहीं मिले। परिणामस्वरूप, मध्य प्रदेश सरकार 2025-26 के बजट का 50ङ भी खर्च नहीं कर पाई। इसका मतलब यह है कि बजट खोखला और बेबुनियाद है। उन्होंने कहा कि आज मध्य प्रदेश सरकार प्रतिदिन 213 करोड़ रुपये का कर्ज ले रही है और इस वर्ष लगभग 72, 000 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है। 532, 000 करोड़ रुपये के ब्याज सहित देनदारियां बजट का सबसे बड़ा हिस्सा हैं, जो एक गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर रही हैं। बजट यथार्थवादी होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को राज्य के अधिकारों की मांग करनी चाहिए। उन्हें वित्त विशेषज्ञों की एक टीम भी गठित करनी चाहिए जो बजट के आय और व्यय की निगरानी कर सके।

सुप्रीम कोर्ट की इलाहाबाद हाईकोर्ट को फटकार रेप की कोशिश नहीं वाला विवादित फैसला रद्द

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक विवादास्पद आदेश को रद्द करते हुए कहा है कि निजी अंग पकड़ना और पायजामे का नाड़ा खींचना ''बलात्कार का प्रयास'' है। उच्च न्यायालय ने अपने विवादित आदेश में कहा था कि निजी अंग पकड़ना और पायजामे का नाड़ा खींचना ''बलात्कार करने की केवल तैयारी'' हैं। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची एवं न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि विवादित आदेश को ''आपराधिक न्यायशास्त्र के स्थापित सिद्धांतों के स्पष्ट रूप से गलत प्रयोग'' के कारण रद्द किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने स्वतः संज्ञान लेकर दायर याचिका पर 10 फरवरी को यह आदेश पारित किया। न्यायालय ने याचिका में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के इस आदेश का संज्ञान लिया है कि केवल ''निजी अंग पकड़ना और पायजामे का नाड़ा खींचना बलात्कार के अपराध के बराबर नहीं'' है।

उच्च न्यायालय के फैसले को शीर्ष अदालत ने रद्द कर दिया और मामले के दो आरोपियों के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत दर्ज बलात्कार के प्रयास के मूल कड़े आरोपों को बहाल कर दिया। पीठ ने कहा, ''हम उच्च न्यायालय के इस निष्कर्ष से सहमत नहीं हो सकते कि इस मामले में आरोप केवल तैयारी से संबंधित थे और वे बलात्कार करने का प्रयास का नहीं थे।'' उसने कहा, ''आरोपियों द्वारा किया गया प्रयास हमें स्पष्ट और अनिवार्य रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचाता है कि शिकायतकर्ता और अभियोजन पक्ष द्वारा बलात्कार के प्रयास से संबंधित प्रावधान लागू किए जाने का प्रथम दृष्टया मामला बनता है। विवादित निर्णय आपराधिक न्यायशास्त्र के स्थापित सिद्धांतों के स्पष्ट रूप से गलत प्रयोग के कारण रद्द किया जाना चाहिए।''

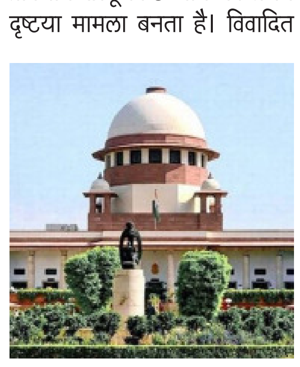

शीर्ष अदालत ने कहा कि इन आरोपों को सरसरी तौर पर देखने पर भी इस बात को लेकर ''रत्ती भर संदेह'' की गुंजाइश नहीं रहती कि जो मामला बनता दिख रहा है, वह यह है कि आरोपियों ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (बलात्कार) के तहत अपराध करने के पूर्व निर्धारित इरादे से ये हरकतें कीं। पीठ ने कहा, ''17 मार्च, 2025 का विवादित फैसला रद्द किया जाता है और 23 जून, 2023 का वह मूल समन आदेश बहाल किया जाता है जो विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो), कासगंज ने पारित किया था।'' उसने साथ ही कहा, ''यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि इस न्यायालय ने इस फैसले में जो टिप्पणियां की हैं, वे केवल शिकायतकर्ता द्वारा प्रस्तुत मामले के प्रथम दृष्टया परिप्रेक्ष्य में की गई हैं और इन्हें आरोपियों की दोषसिद्धि को लेकर किसी प्रकार की राय नहीं समझा जाना चाहिए...।''

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 17 मार्च 2025 के आदेश में कहा था कि किसी लड़की के निजी अंग पकड़ना और उसके पायजामे का नाड़ा खींचना बलात्कार का मामला नहीं है लेकिन यह किसी महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से हमला करने या आपराधिक बल प्रयोग करने के दायरे में आता है। यह आदेश आरोपियों द्वारा दायर एक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा ने पारित किया था। आरोपियों ने कासगंज के विशेष न्यायाधीश द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती देते हुए यह पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। इस मामले के तथ्यों के मुताबिक, विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) की अदालत में एक याचिका दाखिल करके आरोप लगाया गया था कि 10 नवंबर, 2021 को शाम करीब पांच बजे शिकायतकर्ता महिला अपनी 14 वर्षीय बेटी के साथ अपनी ननद के घर से लौट रही थी तभी उसके गांव के ही रहने वाले पवन, आकाश और अशोक रास्ते में उसे मिले और उन्होंने उससे पूछा कि वह कहां से आ रही है।

एआई समिट एक्सपो में विवाद! 'रोबोटिक डॉग' को लेकर गलगोटिया विश्वविद्यालय का स्टॉल खाली कराया गया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 'एआई समिट एक्सपो' में उस समय हड़कंप मच गया जब नवाचार और स्वदेशी तकनीक के दावों के बीच गलगोटिया विश्वविद्यालय को अपना स्टॉल तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया। यह कार्रवाई प्रदर्शनी में दिखाए गए एक 'रोबोटिक डॉग' की उत्पत्ति और उसके स्वामित्व को लेकर उठे गंभीर विवाद के बाद की गई है। सूत्रों के अनुसार, विश्वविद्यालय से तुरंत प्रदर्शनी स्थल छोड़ने को कहा गया। विवाद उस समय शुरू हुआ जब गालगोटिया विश्वविद्यालय ने प्रदर्शनी में 'ओरायन' नाम का 'रोबोट डॉग' प्रदर्शित किया। आलोचकों का कहना था कि यह विश्वविद्यालय का स्वदेशी नवाचार नहीं है बल्कि चीन में बना एक रोबोट है। इसके बाद विश्वविद्यालय को सोशल मीडिया पर तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय पर आयातित प्रौद्योगिकी को अपनी बताकर पेश करने के आरोप लगे हैं। विश्वविद्यालय ने हालांकि इस मामले पर अपना पक्ष रखते हुए बयान भी जारी किया। सूत्रों के अनुसार, जैसे ही तकनीक के स्वामित्व को लेकर विवाद गहराया, समिट के आयोजकों ने विश्वविद्यालय को तुरंत प्रदर्शनी स्थल छोड़ने का निर्देश दिया। विवाद बढ़ता देख गलगोटिया विश्वविद्यालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर अपना पक्ष रखा। विश्वविद्यालय ने सफाई दी कि उनका उद्देश्य केवल तकनीक का प्रदर्शन करना था, हालांकि उनके बयान से आलोचक संतुष्ट नहीं दिखे। सूत्रों का कहना है कि यह मामला अब शैक्षणिक संस्थानों में अनुसंधान की नैतिकता पर एक बड़ी बहस का रूप ले चुका है।

बोर्ड परीक्षा में बड़ी कार्रवाई : दूसरे के नाम पर पर्चा भर रहा युवक गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। यूपी बोर्ड परीक्षा की शुरुआत होते ही प्रथम पाली में फर्जीवाड़ा करने वाले एक युवक को पुलिस ने दबोच लिया है। यह युवक हाई स्कूल की परीक्षा में एक अन्य छात्र के स्थान पर बैठकर परीक्षा दे रहा था, जिसे चेकिंग के दौरान सचल दल ने पहचान लिया। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ पुलिस अब वैधानिक कार्यवाही में जुट गई है।

ज्ञात हो कि मामला सैनी कोतवाली अंतर्गत छत्रपाल मौर्य इंटरमीडिएट कॉलेज, मीरापुर कड़ा का है। यहाँ अमित कुमार नाम का युवक अली अब्बास के स्थान पर परीक्षा देते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। सचल दल ने प्रवेश पत्र की जांच की तो फोटो और पहचान का मिलान नहीं हुआ। सूचना पर पहुंची सैनी कोतवाली पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। एएसपी राजेश कुमार सिंह के अनुसार मामले में विधिक कार्यवाही की जा रही है और इसमें शामिल अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है।

फर्जी मुकदमे लिखवाकर वसूली करने वाले पत्रकार व अधिवक्ता गिरफ्तार, जेल भेजे गए

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद में फर्जी रेप का मुकदमा लिखवाकर रंगदारी मांगने और अवैध वसूली करने वाले एक पत्रकार और एक वकील को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि यह लोग पुलिस से मिलकर निर्दोष लोगों के ऊपर फर्जी मुकदमा लिखवाते थे और फिर उनसे धन उगाही करते थे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने इस गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक पत्रकार और एक वकील को अरेस्ट किया है, जिनका पुराना आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पुलिस ने विधिक कार्यवाही पूरी कर दोनों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

ज्ञात हो कि यह पूरा मामला संदीपन घाट थाना क्षेत्र का है, जहां कोखराज थाना क्षेत्र के निवासी कफील अहमद उर्फ रानू ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आपबीती बताई। पीड़ित के अनुसार, जमीन खरीदने के विवाद को लेकर उसके ऊपर फर्जी गैंगरेप का मुकदमा दर्ज कराने के लिए इन लोगों ने एक साजिश रची थी। इस साजिश के तहत आरोपियों द्वारा पीड़ित से 65 हजार रुपये रंगदारी के रूप में पहले ही वसूले जा चुके थे और अब लगातार 10 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग की जा रही थी।

पुलिस द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि शाकिर, अमरीष दिवाकर और जैगम हलीम द्वारा एक युवती की ओर से प्रार्थना पत्र दिलवाने की योजना बनाई गई थी। जब पुलिस ने उक्त युवती के पिता से संपर्क किया, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी बेटी के साथ कोई भी अप्रिय घटना या रेप नहीं हुआ है। वहीं, युवती ने भी पुलिस को दिए अपने बयान में स्वीकार किया कि वह अपनी स्वेच्छा से लिव-इन में रह रही थी और उसके साथ कोई वारदात नहीं हुई है।

एएसपी राजेश कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता कर इस षडयंत्र का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि फर्जी मुकदमे के नाम पर अवैध वसूली करने वाले दो मुख्य अभियुक्तों को पकड़ा गया है। अधिवक्ता अमरीश दिवाकर पर संदीपन घाट और चरवा थाने में दो-दो मुकदमे पहले से दर्ज हैं। वहीं, पत्रकार जैगम हलीम पर भी संदीपन घाट थाने में पूर्व में दो मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर अमरीश दिवाकर और जैगम हलीम को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।

भीषण सड़क हादसा : ओवरलोड ट्रक की टक्कर से पलटी कार, बाल-बाल बचे सवार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के म्योहर गांव के पास बुधवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। ओवरलोड बालू लदे तेज रफ्तार ट्रक ने सामने जा रही चार पहिया कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा पलटी। हादसे के चलते कुछ समय तक मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा, जिसे बाद में सुचारू कराया गया।

ज्ञात हो कि कार में सवार डॉ. अलीम एक बच्चे को लेकर प्रयागराज जा रही थीं। अचानक हुए हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए कार में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। राहत की बात यह रही कि किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई। सूचना मिलते ही करारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक व उसके चालक के संबंध में जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

उद्यान विभाग ने कृषकों को वितरित किए उन्नत किस्म के बीज और पौधे

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजनान्तर्गत उद्यान भवन परिसर में कृषकों को प्याज, गेंदा, शाकभाजी के बीज एवं ड्रैगन फ्रूट के पौधों का वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान कुल 20 कृषकों को प्याज, 17 को गेंदा और 42 कृषकों को शाकभाजी के बीज प्रदान किए गए।

ज्ञात हो कि मुख्य विकास अधिकारी ने कृषकों से अपील की कि सरकार द्वारा दिए जा रहे उच्च गुणवत्ता युक्त शंकर बीजों एवं पौधों को समय से अपने-अपने प्रक्षेत्रों पर बुवाई करते हुए अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें। इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र एवं उद्यान निरीक्षक प्रमोद कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

परिणय सूत्र में बंधे 115 जोड़े, मिला आशीर्वाद

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने नवीन मण्डी समिति, ओसा में आयोजित भव्य मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। इस समारोह में कुल 115 जोड़े वैदिक मन्त्रोच्चार एवं पारम्परिक रीति-रिवाजों के साथ वैवाहिक बंधन में बंधे। अतिथियों ने नवदम्पतियों को उपहार भेंट कर उनके सुखमय जीवन की कामना की।

ज्ञात हो कि मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने बताया कि शासन द्वारा इस योजना के अन्तर्गत प्रति जोड़ा एक लाख रूपए का प्राविधान किया गया है। इसमें 60 हजार रूपए कन्या के खाते में हस्तान्तरित किए जाते हैं, 25 हजार रूपए का घरेलू सामान दिया जाता है एवं 15 हजार रूपए आयोजन पर व्यय होता है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक लाल बहादुर, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंझनपुर वीरेन्द्र फौजी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मानवता की मिसालः पुलिस ने दिव्यांग परीक्षार्थी को गोद में उठाकर पहुंचाया केंद्र

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा संवेदनशीलता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए एक दिव्यांग परीक्षार्थी को सुरक्षित रूप से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया गया। जनपद पुलिस द्वारा परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु निरंतर सतर्कता एवं प्रतिबद्धता के साथ ड्यूटी का निर्वहन किया जा रहा है।

ज्ञात हो कि परीक्षा के दौरान शहजादपुर स्थित रणजीत पंडित इंटर कॉलेज के मुख्य द्वार पर ड्यूटी में तैनात कांस्टेबल रामसिंह एवं कांस्टेबल रवी कुमार की नजर एक दिव्यांग परीक्षार्थी पर पड़ी, जिसे शारीरिक असुविधा के कारण परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कठिनाई हो रही थी। स्थिति को समझते हुए दोनों पुलिसकर्मियों ने तत्परता एवं मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए परीक्षार्थी को अपनी बाहों में उठाकर सुरक्षित रूप से परीक्षा कक्ष तक पहुंचाया, जिससे वह समय से परीक्षा में सम्मिलित हो सका। पुलिस के इस सराहनीय कार्य की स्थानीय नागरिकों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

भारत नेपाल सीमा पर 8 वोरी यूरिया खाद, दो साइकिल के साथ दो नेपाली व्यक्ति गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के भारत नेपाल सीमा पर तैनात 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकी खुनुवा के जवानों ने भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी की एक कोशिश को नाकाम करते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 8 बोरी यूरिया खाद और 2 साइकिल बरामद की ।

मंगलवार को सीमा चौकी खुनुवा के सशस्त्र सीमा बल के गश्ती दल के जवानों को मिली सूचना के आधार पर सीमा स्तंभ संख्या 556/1 के पास परसौना गांव के निकट विशेष गश्त लगाई जा रही थी।

लगभग दोपहर 12:40 बजे दो व्यक्ति साइकिल पर बोरी लादकर भारत से नेपाल की ओर जाते दिखाई दिए। गश्ती दल द्वारा रोकने का संकेत देने पर दोनों व्यक्ति सामान छोड़कर भागने लगे, लेकिन जवानों ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया।पूछताछ में पकड़े गए व्यक्तियों ने अपनी पहचान खलील मुसलमान पुत्र मुनिजर मुसलमान निवासी शिवपुर जिला कपिलवस्तु नेपाल, जमिरुल्लाह मुसलमान पुत्र मुस्लिम मुसलमान निवासी सुठौली जिला कपिलवस्तु नेपाल के रूप में हुई। बरामद 8 बोरी यूरिया खाद, 2 साइकिल जब्त कर दोनों आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क कार्यालय खुनुवा को सुपुर्द कर दिया।

एसएसबी के अनुसार, भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी और अन्य अपराधों की रोकथाम के लिए बल लगातार अभियान चला रहा है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे हाई स्कूल प्रमाण पत्र में मेरे नाम की स्पेलिंग SHAAN SONKER गलती से अंकित हो गया है। जबकि प्रार्थी के आधार कार्ड में प्रार्थी का नाम SHAAN SONKAR अंकित है, मेरा सही नाम SHAAN SONKAR अंकित करते हुए संशोधित प्रमाण पत्र जारी किया जाना आवश्यक है।

प्रार्थी
शान सोनकर

स्वास्थ्य शिविर में 110 लोगों की हुई स्क्रीनिंग हृदय रोगों के प्रति किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में टी.बी./कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प एवं मेडिकल कैम्प लगाया गया। मेडिकल कैम्प में कलेक्ट्रेट के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ ही फरियादियों व आमजन का ब्लड प्रेशर, डायबिटीज एवं हीमोग्लोबिन आदि का चेक-अप किया गया एवं दवा का वितरण भी किया गया। शिविर में कुल 110 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई।

ज्ञात हो कि प्रधानाचार्य, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय डॉ. हरिओम सिंह ने ह्रदयसेतु पर जन-जागरूकता के दृष्टिगत उपस्थित लोगों को बताया कि हार्ट अटैक के मरीजों को त्वरित उपचार प्रदान करना एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि सीने में दर्द, भारीपन या सांस फूलने जैसे लक्षणों पर जीवन रक्षक औषधि समय पर लेने से जान बचाई जा सकती है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर जिलाधिकारी ओम प्रकाश, डॉ. संजय कुमार व प्रभारी चिकित्साधिकारी मंझनपुर नीरज कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

वीरेंद्र सिंह ग्रामीण स्टेडियम शोहरतगढ़ में हों रहें दिवस क्रीड़ा महोत्सव का हुआ समापन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव वीरेंद्र सिंह ग्रामीण स्टेडियम छतहरी शोहरतगढ़ में आयोजित द्वितीय दिवस क्रीड़ा महोत्सव का समापन समारोह मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानंद मिश्र रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ अध्यक्ष उमा अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।कार्यक्रम का आयोजन शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार सिंह के निर्देशन में किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं हुई जिनमें 50 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, 1500 मीटर दौड़, हैमर थ्रो, भाला फेंक, क्रिकेट बॉल फेंक, सुई-धागा तथा म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता प्रमुख रहीं।प्रतियोगिताओं के परिणाम 1500 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान विनय कुमार मौर्य बीए द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान अभिनव तिवारी बीए द्वितीय वर्ष तथा तृतीय स्थान जितेंद्र मौर्य बीए द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया।

भाला फेंक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोनू चौधरी बीए प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान सुजीत यादव बीएससी द्वितीय वर्ष तथा तृतीय स्थान रमेश यादव बीए तृतीय वर्ष रहे।म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनु बीए प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान ममता बीएड प्रथम वर्ष तथा तृतीय स्थान सोनी बीए प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया।100 मीटर छात्र दौड़ में प्रथम स्थान सत्यम यादव बीए प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान मोनू बीए प्रथम वर्ष तथा तृतीय स्थान महेश शर्मा बीए तृतीय वर्ष ने प्राप्त किया।

100 मीटर छात्रा दौड़ में प्रथम स्थान सोनी बीए प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान सोनी तृतीय वर्ष तथा तृतीय स्थान रोशनी गौड़ बीएससी प्रथम वर्ष रहीं।क्रीड़ा महोत्सव में चैंपियन ऑफ चैंपियन का खिताब बालक वर्ग में सत्यम यादव बीए प्रथम वर्ष तथा बालिका वर्ग में सोनी बीए प्रथम वर्ष को प्रदान किया गया।

समापन समारोह में सभी अतिथियों का प्राचार्य डॉ अरविन्द कुमार सिंह ने स्वागत बैज, फूलमाला एवं मोमेंटो भेंट कर किया गया। मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानंद मिश्रा, नपं अध्यक्ष उमा अग्रवाल विजेता व प्राचार्य डॉ अरविन्द कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि विवेकानंद मिश्रा व नपं अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को आशीर्वचन देते हुए खेलों के जीवन-विकास का महत्वपूर्ण साधन बताया और विजेताओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।प्राचार्य प्रोफेसर अरविन्द कुमार सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि 'खेल जीवन का आधार है, जो अनुशासन और सफलता प्रदान करता है।'

पनवेल-अलीपुरद्वार साप्ताहिक नई अमृत भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवा

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 11031/11032 पनवेल-अलीपुरद्वार-पनवेल साप्ताहिक नई अमृत भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवा प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 11031/11032 पनवेल-अलीपुरद्वार-पनवेल (साप्ताहिक) अमृत भारत एक्सप्रेस

गाड़ी संख्या-11031 पनवेल-अलीपुरद्वार साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस गाड़ी प्रारम्भिक स्टेशन से नियमित सेवा दिनांक 23.02.2026			गाड़ी संख्या-11032 अलीपुरद्वार-पनवेल साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस गाड़ी प्रारम्भिक स्टेशन से नियमित सेवा दिनांक 26.02.2026	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
.....	11:50	पनवेल	05:30	.....
08:30	08:32	मानिकपुर	05:43	05:45
09:00	09:02	बरगढ़	04:20	04:22
10:25	10:30	प्रयागराज छिवकी	03:10	03:15
10:53	10:55	मेजा रोड	01:50	01:52
11:35	11:37	मिर्ज़ापुर	01:10	01:12
13:50	.....	अलीपुरद्वार	.....	04:45

- **पनवेल से गाड़ी संख्या** 11031, सोमवार, **दिनांक** : 23.02.2026
- **अलीपुरद्वार से गाड़ी संख्या** 11032, गुरुवार, **दिनांक** : 26.02.2026

गाड़ी संरचना : स्लीपर श्रेणी : 08, सामान्य श्रेणी : 11

नोटः ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 371/26 (AS)

डीएम की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन, किसानों की समस्या पर हुई चर्चा

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। बैठक में उप कृषि निदेशक द्वारा पिछली बैठक की कार्यवृत्त को पढ़ा गया, जिसमें अधिकांश शिकायतों का निस्तारण करा दिया गया है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा किसान दिवस में उपस्थित किसानों की समस्याओं को सुना गया। जिलाधिकारी ने किसानो से कहा कि आप लोगो की जो भी शिकायते है उसे लिखित में दे जिससे समस्याओ का निस्तारण कराया जा सके। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने किसान दिवस में सभी सम्बंधित अधिकारियों को स्वयं उपस्थित होने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने किसानो को किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री, बिजली बिल, दवा व बीज तथा सिंचाई से सम्बंधित समस्याओं का निस्तारण कराने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभार्थियों के खाते में क्षतिपूर्ति की धनराशि प्रेषित कराने का निर्देश दिया गया। सभी अधिकारीगण किसानों की समस्याओं का शत प्रतिशत निस्तारण करायें। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सम्बन्धित को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों को संबधित अधिकारियों को प्रेषित करके उनकी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कराये। भारत सरकार/उ0प्र0 सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को मिलना चाहिए। जिला कृषि अधिकारी द्वारा बैठक में आए हुए समस्त अधिकारीगण व सम्मानित कृषको को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला कृषि अधिकारी रवि शंकर पाण्डेय, एआर कोआपरेटिव, सहा0 निदेशक मत्स्य, अधि0 अभि0 विद्युत नौगढ़ ज्ञान प्रकाश तथा किसान यूनियन के समस्त पदाधिकारी एवं किसान व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जन चौपाल एवं मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम में महिलाओं को किया गया जागरुक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन शक्ति फेज-5. के अंतर्गत थाना शोहरतगढ़, जनपद सिद्धार्थनगर में जन चौपाल एवं 'बहू-बेटी सम्मेलन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें महिलाओं और बालिकाओं को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी चस्पा किए गए।पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर अभिषेक महाजन द्वारा चलाए जा रहे महिला सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ के वार्ड नंबर 7 सुभाष नगर में स्थित प्राथमिक विद्यालय नरायनपुर छात्र छात्राओं, महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया।कार्यक्रम में महिलाओं को दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट तथा महिला संबंधी अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए और पीड़िताओं की काउंसलिंग भी की गई। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि महिलाएं वहां अपनी समस्याएं दर्ज करा सकती हैं।

1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 101अग्निशमन सेवा, 14567 एल्डर हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन, यातायात नियमों के संबंध में भी जागरूक किया गया।कार्यक्रम में शिक्षिका आमता गौतम, पूजा वर्मा सहित पुलिस विभाग के उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, कांस्टेबल पवन मौर्य तथा महिला कांस्टेबल शोभा भारती सहित छात्र छात्राएं व महिलाएं मौजूद रहें।

उत्तर मध्य रेलवे

नोटिस संख्याः NCR-PRYJ/COMM/G+5/EOI/2026 दिनांकः 16.02.2026

अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI)

प्रयागराज जं. सिटी साइड, लीडर रोड से सटा हुआ G+5 बिल्डिंग में मानक होटल/बहुकार्यात्मक परिसर की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए ई-नीलामी में भागीदारी हेतु इच्छुक फर्मों/एजेंसियों/मालिकों से अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI) 10 **वर्षों** की अवधि के लिए आमंत्रित की जाती है। G+5 बिल्डिंग का विवरण नीचे दिया गया है:-

G+5 बिल्डिंग का विवरण	विवरण	
बिल्डिंग का नाम	G+5 भवन, तलवार विवरण (फ्लोर वाइज प्लान) नीचे उल्लिखित है:-	
	स्टिल्ट फ्लोर (पार्किंग)	अपर ग्राउंड फ्लोर
	प्रथम तल	द्वितीय तल
	तृतीय तल	चतुर्थ तल
बिल्डिंग का पता	प्रयागराज रेलवे स्टेशन, सर्कुलेटिंग एरिया, सिटी साइड, पैसेंजर एन्क्लोजर के समीप, लीडर रोड, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश-211001	
बिल्डिंग का जीपीएस लोकेशन	25°26'40.04"N 81°49'42.27"E https://maps.app.goo.gl/2RHEHWLMAQbDARoM8	
कमरों और हॉलों की संख्या	68 कमरे और 08 बड़े हॉल	
प्रस्तावित कार्य की अवधि	10 वर्ष	
ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि और समय	10.03.2026 को या उससे पहले 15:00 बजे तक	

प्रस्ताव निम्नलिखित पते पर जमा किए जा सकते हैं:- ईमेलः sdcm@ald.railnet.gov.in हार्ड कॉपी 10.03.2026 को या उससे पहले 15:00 बजे तक दिये गए पते पर दिया जाना आवश्यक है: वरि0 मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/कोचिंग/प्रयागराज, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, नवाब यूसुफ रोड, सिविल लाइंस, प्रयागराज-211001

विस्तृत नोटिस और भागीदारीदिशानिर्देशों के लिए, कृपया आधिकारिक वेबसाइट पर जाएँ:- www.ncr.indianrailways.gov.in

ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक फर्म/एजेंसी/स्वामित्वधारी निर्धारित ईओआई दस्तावेजों एवं संलग्न प्रपत्रों के अनुसार आवश्यक समस्त जानकारी सहित विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

वरि0 मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/कोचिंग
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

373/26 (A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

जेईई मेन 2026 सेशन 1 में दिल्ली के श्रेयस मिश्रा ने हासिल किए 100 परसेंटाइल, विद्यामंदिर क्लासेस का बढ़ाया मान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। देश की सबसे प्रतिस्पर्धी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में से एक जेईई मेन 2026 के सेशन 1 में दिल्ली के श्रेयस मिश्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 परसेंटाइल हासिल किया है। विद्यामंदिर क्लासेस के 2 वर्षीय क्लासरूम कोर्स के छात्र श्रेयस ने अपनी निरंतर मेहनत, कॉन्सेप्ट की गहरी समझ और अनुशासित तैयारी के दम पर यह उपलब्धि प्राप्त की है।

100 परसेंटाइल हासिल करना बेहद दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है। यह केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नहीं, बल्कि मजबूत मानसिक संतुलन, परीक्षा के प्रति रणनीतिक दृष्टिकोण और लगातार अभ्यास का परिणाम होता है। श्रेयस की सफलता ने एक बार फिर विद्यामंदिर क्लासेस की मजबूत शैक्षणिक परंपरा और व्यवस्थित क्लासरूम तैयारी की प्रभावशीलता को प्रमाणित किया है।

इस अवसर पर विद्यामंदिर क्लासेस के को फाउंडर और

आईआईटी दिल्ली अलुम्नस श्याममोहन गुप्ता ने कहा, 'हमें श्रेयस मिश्रा पर बेहद गर्व है कि उन्होंने जेईई मेन 2026 सेशन 1 में 100 परसेंटाइल हासिल किया। यह उपलब्धि उनकी अथक मेहनत, जिज्ञासु सोच और अनुशासित तैयारी का परिणाम है। विद्यामंदिर क्लासेस में हमारा फोकस हमेशा मजबूत कॉन्सेप्ट बिल्डिंग, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और निरंतर अकादमिक मेंटरिंग पर रहा है। श्रेयस इस बात का उदाहरण हैं कि सही मार्गदर्शन और छात्र की प्रतिबद्धता मिलकर किस तरह परिणाम दे सकती है। उनकी सफलता सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि देशभर के हजारों इंजीनियरिंग अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा है। हम उन्हें और उनके परिवार को बधाई देते हैं और आगामी चरणों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

विद्यामंदिर क्लासेस के 2 वर्षीय क्लासरूम कोर्स में नामांकित श्रेयस को एक सख्त और सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम का लाभ मिला, जो फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स में गहरी कॉन्सेप्चुअल समझ विकसित करने पर केंद्रित है। इस कोर्स में नियमित टेस्ट, विस्तृत परफॉर्मेंस एनालिसिस, डाउट क्लियरिंग सेशन और पर्सनलाइज्ड मेंटरिंग शामिल हैं, जिन्होंने उनकी तैयारी को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्थान के फैकल्टी सदस्यों के अनुसार, श्रेयस ने हर टेस्ट में विश्लेषणात्मक सोच, शांत स्वभाव और अपनी गलतियों से सीखने की निरंतर इच्छा का परिचय दिया।

अपनी सफलता पर श्रेयस ने अपने शिक्षकों और परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अनुशासित स्टडी शेड्यूल, मॉक टेस्ट का गहन विश्लेषण और मजबूत कॉन्सेप्ट क्लैरिटी उनकी सफलता की मुख्य कुंजी रहे। उन्होंने यह भी बताया कि पूरी तैयारी के दौरान फोकस और आत्मविश्वास बनाए रखना बेहद आवश्यक है।

जेईई मेन के सेशन 2 और आगे की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं से पहले श्रेयस की यह उपलब्धि एक ऊंचा मानदंड स्थापित करती है और देशभर के अभ्यर्थियों को प्रेरित करती है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि सुव्यवस्थित तैयारी, अनुभवी मार्गदर्शन और अटूट संकल्प से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

टेंपो सवार बदमाशों ने मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर से 10 हजार छीने

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े टेंपो सवार बदमाशों द्वारा एक प्रोफेसर से नगदी छीनने का मामला सामने आया है। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है।जानकारी के अनुसार, लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. सत्य प्रकाश रवि सहसो से फाफामऊ जाने के लिए टेंपो में सवार हुए थे। आरोप है कि रास्ते में टेंपो में मौजूद कुछ युवकों ने उनसे कहासुनी शुरू कर दी। देखते ही देखते गाली-गलौज होने लगी। इसी दौरान बदमाशों ने उनकी जेब में रखे 10 हजार रुपये निकाल लिए और मौके टेंपो सहित भाग निकले। घटना दो दिन पहले सोमवारदोपहर की है। पीड़ित प्रोफेसर ने तत्काल डायल 112 पुलिस को सूचना दी। बुधवार को लिखित सूचना थरवई पुलिस को दी पुलिस घटना की जांच मेंजुटी है।

धर्मेंद्र प्रधान और जयन्त चौधरी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में एमएसडीई पवेलियन का दौरा किया

प्रयागराज। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने आज भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट

समिट 2026 में कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के पवेलियन का दौरा किया। इससे भारत सरकार की यह प्रतिबद्धता उजागर हुई कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को समावेशी विकास और मानव संसाधन विकास को उत्प्रेरक के रूप में स्थापित किया जाए।

जेलों में बनाए गए आठ परीक्षा केंद्रो पर परीक्षा दें रहे 360 कैदी

प्रयागराज। यूपी बोर्ड ने जेलों में भी आठ परीक्षा केंद्र बनाए हैं। जेलों में बंद 176 कैदी हाई स्कूल की परीक्षा में शामिल हो रहे है जबकि 184 कैदी इंटरमीडिएट की परीक्षा में शामिल हो रहे है।

निसान ने ऑल न्यू निसान ग्रेवाइट को लॉन्च करने का एलान किया

निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने आज 5.65 लाख रुपये की आकर्षक शुरुआती कीमत में ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट को लॉन्च करने का एलान किया। बोल्ड और गेम चेंजिंग 7-सीटर एमपीवी ग्रेवाइट भारत में निसान के सफर के नए अध्याय की शुरुआत है। भारत से प्रेरित मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया ग्रेवाइट भारत में निसान मोटर इंडिया के नवीनतम प्रोडक्ट ऑफेंसिव का पहला प्रोडक्ट है। यह भारत में कंपनी की मजबूत प्रतिबद्धता और मौजूदगी को दर्शाता है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपित गिरफ्तार

उप निरीक्षक अर्जुन सिंह की सक्रियता से आरोपी दबोचा गया

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और गर्भपात कराने के आरोप में वांछित चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।थरवई क्षेत्र केपण्डिला गांव निवासी सूरज तिवारी पर आरोप है कि उसने पड़ोसी गांव के युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मामले में थरवई थाने के उप निरीक्षक अर्जुन सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए टीम के साथ आरोपी की तलाश शुरू की। उनकी रणनीति और लगातार दबिश के चलते आरोपी को बुधवार दोपहर करीब एक बजे पान की पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी में उप निरीक्षक जितेंद्र सिंह भी शामिल रहे।पुलिस ने आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वहीं पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा गया है।थरवई पुलिस का कहना है कि प्रकरण में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

बोर्ड परीक्षा में बाधा डाल रहा डीजे प्रशासन मौन

कई बार शिकायत के बावजूद कार्यवाही शून्य

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज थरवई थाना क्षेत्र के पंडिला महादेव में इन दिनों डीजे ने आतंक मचा रखा है आलम यह है कि प्रतिदिन दर्जनों डीजे बस्ती में बज रहे हैं जबकि पास में ही इंटर कॉलेज , बैंक प्राथमिक विद्यालय भी प्रभावित हो रहा हैं जबकि बोर्ड की परिक्षा चल रही है बच्चों के पढ़ने में कितनी दिक्कतें आ रही है शायद इस बात पर प्रशासन गम्भीर नहीं है पूर्व में एसीपी थरवई चंद्रपाल से शिकायत करने पर मंदिर गेट के अलावा मंदिर से सौ मीटर दूरी पर डीजे प्रतिबंधित एरिया के पोस्टर लगवा दिया गया जिसका आदेश की धज्जियां रोज उड़ाई जा रही हैं डीजे बिना मानक के तेज आवाज फूहड़ डायलॉग के साथ सड़कों पर कंपटीशन कर रहे हैं सड़कों का जाम होना आम बात है कई बार प्रयास के बाद भी कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी बस्ती के लोगों के लिए डीजे शॉप बन गया है और किसी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

कोर में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए विशिष्ट रेल सेवा

पुरस्कार का आयोजन कार्यालय प्रांगण में अपर सदस्य रेल विद्युतीकरण श्रीरामेन्द्रकुमारतिवारी/ रेलवे बोर्ड/नई दिल्ली की गरिमामयी उपस्थिती में आयोजित किया गया।

उत्कृष्ट कार्य हेतु विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार कल्याण सिंह/उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/कोर को अपर सदस्य द्वारा विशिष्ट प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान किया गया। तत्पश्चात भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यालय एवं परियोजना से बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जीडी फूड्सटॉप्सने करीना कपूर के साथ 'फूडीज़ का चॉइस' के तहत लॉन्च किया'टेस्ट फर्स्ट कैंपेन'

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जी.डी. फूड्स मैन्युफैक्चरिंग (आई) प्राइवेट लिमिटेडजो अपने ब्रांड टॉप्सके तहत सॉस, अचार और अन्य खाद्य उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला की मार्केटिंग करती है और जिसे भारत की अग्रणी फूड एफएमसीजीकंपनियों में से एक एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेडका समर्थन प्राप्त है, ने आज अपने नए ब्रांड कैंपेन 'फूडीज़ का चॉइस' के तहत टॉप्स का नवीनतम टेलीविजन कमर्शियल (टीवीसी) लॉन्च करने की घोषणा की।

भक्ति, प्रेम और आनंद की दिव्य परंपरा को नमन, भक्ति ही जीवन का सर्वोच्च आनंद है : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माँ काली के अनन्य उपासक, अद्वैत अनुभूति के मूर्त स्वरूप स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी की पावन जयंती तथा भगवान श्रीकृष्ण के परम प्रेममय भक्त, हरिनाम संकीर्तन द्वारा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जागरण के प्रणेता चैतन्य महाप्रभु की जयंती के पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी शुकदेवानन्द ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुये कहा कि भारत की संत परंपरा अद्भुत, जीवंत और प्रकाशमयी है, जिसने मानवता को प्रेम, सेवा, करुणा और भक्ति का सरल मार्ग दिखाया। हमारे पूज्य संतों ने त्याग और तप के साथ आनंदपूर्ण जीवन जीते हुए समाज को आध्यात्मिक दिशा दी। उनकी वाणी और साधना आज भी हमारे हृदय में शांति, विश्वास और ईश्वरानुभूति का दीप प्रज्वलित करती है।

सुशील कुमार शिंदे जी, पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री, भारत एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री दर्शनार्थ आये परमार्थ निकेतन। पूज्य स्वामीजी के पावन सान्निध्य में विश्व विख्यात गंगा जी की आरती में किया सहभाग। स्वामीजी ने कहा कि उनका सार्वजनिक जीवन समर्पण, सादगी और जनसेवा का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने प्रशासनिक कुशलता, संवेदनशील नेतृत्व और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति निष्ठा के साथ देश और राज्य की सेवा की।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भक्ति ही जीवन का सर्वोच्च आनंद है। यही वह दिव्य शक्ति है जो मन को निर्मल, बुद्धि को प्रखर और आत्मा को चेतन बनाती है। भक्ति में डूबा हृदय भय, तनाव और अहंकार से मुक्त होकर प्रेम, शांति और प्रकाश का स्रोत बन जाता है। यही ईश्वर से मिलन का सबसे श्रेष्ठ मार्ग है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी का जीवन इस सत्य का जीवंत प्रमाण था। दक्षिणेश्वर के काली मंदिर में उनका हर क्षण माँ के चरणों में अर्पित था। उनकी भक्ति में बालक जैसी सरलता, माँ के प्रति अगाध विश्वास और पूर्ण समर्पण था। वे ईश्वर को देखने, उनसे बात करने और उन्हें जीने का अनुभव करते थे। उनके लिए भक्ति, साक्षात् अनुभूति थी। जब वे माँ काली के ध्यान में लीन होते, तो साधक और साध्य का भेद मिट जाता था। उनकी आँखों से बहते आँसू, उनके होंठों पर मुस्कान और उनकी आत्मविभोर अवस्था बताती थी कि सच्ची भक्ति ही परम आनंद का द्वार है।

दूसरी ओर चैतन्य महाप्रभु ने भक्ति को केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जन-जन के हृदय तक पहुँचाया। उन्होंने हरिनाम संकीर्तन को सामाजिक और आध्यात्मिक क्रांति का माध्यम बनाया। सड़कों पर नाचते-गाते, 'हरे कृष्ण' का नाम गूंजाते हुए उन्होंने लोगों को बताया कि ईश्वर दूर नहीं, हमारे ही हृदय में वास करते हैं। उनका कीर्तन भी एक उत्सव था। उनके प्रेम और करुणा ने समाज में भेदभाव, अहंकार और निराशा को मिटाकर एक नई चेतना जगाई।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि अब समय आ गया कि हम अपने घरों में भजन-कीर्तन की परंपरा पुनः जीवित करें। युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ें। भक्ति को अपने व्यवहार और कर्म में उतारें।

आइए, इन दिव्य संतों की प्रेरणा से संकल्प लें कि अपने जीवन को भक्ति के प्रकाश से आलोकित करेंगे और प्रेम, शांति तथा सद्भाव का संदेश समाज में प्रसारित करें। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

हाईस्कूल, इण्टर हिन्दी की परीक्षा 313708 परीक्षार्थियों ने छोडी, नकल करते हुए तीन परीक्षार्थी पकडे गये, पांच जिलों में पांच फर्जी परीक्षार्थी पकडे गये

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा संस्था उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की परीक्षाएं आज से शुरू हो गयी हैं। पहले दिन हाईस्कूल और इण्टर की परीक्षा में 313708 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड दी है। हाईस्कूल की परीक्षा में 2754376 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जबकि परीक्षा में 2583055 परीक्षार्थी शामिल हुए और 171321 परीक्षार्थी अनुपस्थित थे। द्वितीय पाली हिन्दी की परीक्षा में 2499370 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें 2356983 परीक्षा मे शामिल हुए और 142387 अनुपस्थित रहे। सचिव भगवती सिंह ने बताया कि तीन नकलची पकडे गये है। उन्होने बताया कि आगरा, फतेहपुर, कन्नौज, कौशाम्बी और इटावा में एक - एक परीक्षार्थी दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकडे गये है।

हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा प्रदेश के 75 जिलों के 8033 केंद्रों पर हो रही है। हाईस्कूल के 27 61696 और इंटर के 257682 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस तरह से कुल मिलाकर 5337 778 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे है।

यूपी बोर्ड की परीक्षाएं दो पालियों सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे और शाम 2:00 बजे से 5:15 बजे तक आयोजित हुई। यूपी बोर्ड ने नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से परीक्षा के लिए व्यापक तौर पर इंतजाम किए हैं। सीसीटीवी निगरानी में होगी परीक्षा और केंद्र व्यवस्थापकों की जवाबदेही तय की गई है।

यूपी बोर्ड ने प्रदेश के 18 जिले संवेदनशील घोषित किए हैं। इन 18 जिलों में 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील परीक्षा केंद्र चिन्हित किए हैं। अति संवेदनशील 20 परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए गये है। नकल रोकने के लिए पुलिस और यूपी एसटीएफ लगी हुई है। बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर एलआईयू को भी सक्रिय कर दिया गया है। अति संवेदनशील और संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की हर दिन कम से कम दो बार चेकिंग हो रही है। नकल करते पकड़े जाने पर परीक्षार्थी के खिलाफ विभाग के नियमों के अनुसार कार्यवाही और उसे एक साल के लिए परीक्षा से डिबार किया जाएगा, जबकि शिक्षक, प्रबंधन या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नकल करते पकड़े जाने पर 2024 के यूपी सरकार के नकल विरोधी कानून के तहत सख्त कार्रवाई की तैयारी है जिसमें 7 साल की सजा और एक करोड़ जुर्माने तक का प्रावधान किया गया है।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि परीक्षा की सुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन मानीटरिंग हो रही है। प्रदेश मुख्यालय पर दो कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाए गए हैं जबकि यूपी बोर्ड मुख्यालय में भी एक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाया गया है। यूपी बोर्ड मुख्यालय में 18 मंडलों 75 जिलों पर 24 घंटे नजर रखी जा रही है। पांचों क्षेत्रीय कार्यालयों और हर जिले के डीआईओएस दफ्तर में भी कंट्रोल रूम बनाया गया है। यहां पर भी सीसीटीवी से परीक्षा केंद्रों और स्ट्रांग रूम की लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है।

बोर्ड परीक्षा में 8140 केंद्र व्यवस्थापक, इतने वाह्य केंद्र व्यवस्थापक और इतने ही स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। 1283 सेक्टर और 439 जोनल मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। बोर्ड परीक्षा में 58 मंडलीय सचल दल बनाए गए हैं।बोर्ड परीक्षा में कुल 428 सचल दल बनाए गए हैं। बोर्ड परीक्षा में 16 राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक मंडलों के लिए नोडल बनाए गए हैं। बोर्ड परीक्षा में 75 राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक जिलों के लिए नोडल बनाए गए हैं। बोर्ड परीक्षा में सभी 75 जिलों में कंट्रोल रूम डीआईओएस दफ्तर में बनाया गया है। क्षेत्रीय कार्यालय में पांच और राज्य स्तरीय तीन कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। सभी जिलों और परीक्षा केंद्रों पर सभी विषयों के प्रश्न पत्रों के रिजर्व सेट रखे गए हैं।प्रयोगात्मक परीक्षा में पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन अंक अपलोडिंग की व्यवस्था की गई है। उत्तर पुस्तिकाएं ए4 पोर्ट्रेट आकार में और सभी प्रस्तों पर बोर्ड का लोगो और सूक्ष्म आकर के यूपीएमएसपी अंकन द्वारा मार्जिन लाइन का मुद्रण किया गया है।निःशुल्क पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश के 20 अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर जैमर की व्यवस्था की गई है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने आज बताया कि पहले दिन हाई स्कूल की हिंदी और प्रारंभिक हिंदी विषय की परीक्षा पहली पाली में हुई जबकि इंटर की हिंदी और सामान्य हिंदी विषय की परीक्षाएं दूसरी पाली में हुई । इस दौरान परीक्षा सकुशल संपन्न हुई, किसी भी परीक्षा केन्द्र से गडबडी की कोई सूचना नही है।

हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा प्रदेश के 75 जिलों के 8033 केंद्रों पर हो रही है। हाईस्कूल के 27 61696 और इंटर के 257682 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस तरह से कुल मिलाकर 5337 778 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे है। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं दो पालियों सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे और शाम 2:00 बजे से 5:15 बजे तक आयोजित हुई। यूपी बोर्ड ने नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से परीक्षा के लिए व्यापक तौर पर इंतजाम किए हैं। सीसीटीवी निगरानी में होगी परीक्षा और केंद्र व्यवस्थापकों की जवाबदेही तय की गई है।

सम्पादकीय

खाने की कीमत पूरी लेकिन थाली में भरोसे की कमी, रेलवे की सुविधाएं और दावे पर चिंता

भारतीय रेलवे के बारे में अक्सर यह दावा किया जाता है कि इसके समग्र संचालन को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा के समकक्ष बनाया जाएगा। मगर हकीकत यह है कि हादसों, सफर के दौरान निर्धारित समय पर गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने से लेकर ट्रेन के भीतर साफ-सफाई और खानपान के मामले में कई बार स्थिति बेहद दयनीय और खराब दिखती है।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिन ट्रेनों को विशेष सुविधा वाला बताया जाता है, उनमें परोसा गया भोजन भी अक्सर खराब निकल जाता है और यात्री ठगे-से रह जाते हैं। खबरों के मुताबिक, हर रोज पैंतीस से ज्यादा लोग रेलवे के खराब खाने को लेकर शिकायत करते हैं।

खाने में तिलचट्टा, दूसरे कीड़ों या अखाद्य वस्तुओं के मिलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। साथ ही, भोजन की मात्रा और तय कीमतों से ज्यादा राशि वसूलने की समस्या भी आम देखी जा सकती है। सवाल है कि अगर उच्च गुणवत्ता और सेवा का दावा करके खाने-पीने के मामले में भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है, तो उसे कैसे देखा जाएगा।

सफर के दौरान यात्री थोड़ी सुविधा के लिए ट्रेन में मिलने वाला खाना पैसा चुका कर लेना चाहते हैं। कई ट्रेनों में सफर के दौरान टिकट के साथ खाने-पीने के सामान के लिए राशि चुकाने का भी विकल्प है। मगर विडंबना यह है कि पूरी कीमत चुकाने के बावजूद कई लोगों की थाली में ऐसा खाना होता है, जिसे खाया नहीं जा सकता।

ट्रेनों में मिलने वाले खराब खाने को लेकर आए दिन शिकायतें आती रहती हैं और कई बार विवाद भी होते हैं। ऐसी खबरें भी सामने आई, जिनमें भोजन के खराब होने पर आपत्ति जताने पर ट्रेन में मौजूद कर्मियों ने यात्री से दुर्व्यवहार किया।

खुद सरकार ने पिछले वर्ष जुलाई में राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि 2024-25 के दौरान खाने-पीने के सामान की खराब गुणवत्ता के संबंध में 6, 645 शिकायतें मिलीं। जबकि 2021 से अगले चार वर्षों में रेलवे को इस तरह की कुल 19, 174 शिकायतें मिलीं। ऐसे भी मामले होंगे, जिनमें किसी यात्री को खराब भोजन मिला, लेकिन उसने औपचारिक शिकायत नहीं की।

हालांकि रेल महकमे में कहने को एक ढांचा है, जिसके तहत गुणवत्ता में सुधार के लिए डिजाइन किए गए रसोई से खाना बनवाने और ट्रेनों तक पहुंचाने से लेकर खाना बनाने पर निगरानी, खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक की तैनाती और अच्छी सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने का दावा किया जाता है।

इसके अलावा, अगर खाने में अस्वच्छता या मिलावट पाई जाती है, खाना खराब हो, तो यात्री शिकायत करते हैं। कई मामलों में कार्रवाई भी होती है, जिसमें जुर्माना लगाना, अनुशासनात्मक कार्रवाई, काउंसलिंग करना और चेतावनी देना शामिल है।

खराब खाने की शिकायत के बाद भोजन की आपूर्ति करने वालों पर जुर्माना लगाने की खबरें आती हैं, लेकिन कुछ समय बाद फिर सब पहले की तरह चलता रहता है। सवाल है कि रेल मंत्रालय इसमें सुधार को लेकर कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाता कि ट्रेन में मिलने वाले भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता को लेकर यात्री पूरी तरह आश्वस्त रहें।

अगर रेलवे के लिए अपने तंत्र के तहत स्वच्छ भोजन मुहैया कराना संभव नहीं है, तो ट्रेनों में खाना देने का ठेका अलग-अलग कंपनियों को देने और उसमें बेहतर गुणवत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा की व्यवस्था बनाने की कोशिश क्यों नहीं की जाती?

हम साथ हैं, फिर भी अजनबी, तेजी से भाग रहे समय में सूखती स्मृतियां और संवेदना का संवाद

दुनिया के हर व्यक्ति के जीवन में स्मृति रहती है, चाहे बुरी हो या भली। उदासी के लिबास में लिपटे रहते हैं कभी कुछ सुख के क्षण, जिनमें मोह और ममता के अवशेष होते हैं। यह भी कि स्मृति को सामूहिकता से जोड़ दिया जाए, तो स्मृति जन-स्मृति बन जाती है। रेलगाड़ी में बैठकर सुख के स्टेशन पर उतरने जैसी स्मृतियां भी जीवन में होती हैं, तो कभी खत्म न होने वाली यात्रा बन जाती है स्मृति। यह व्यक्तिपरकता से सामूहिक-चेतना की ओर बढ़ने का साधन भी है, क्योंकि स्मृति संवादप्रिय होती है। हर युग का आदमी अपने मनोभावों को दूसरे तक पहुंचाने के लिए विकल रहा। जब वैज्ञानिक उपकरण नहीं थे, तब संप्रेषण के लिए प्रकृति के माध्यमों से काम चलाया। कभी कबूतर, कभी बादल संदेशवाहक बने, लेकिन किसी भी समय में कोई पवन, कबूतर बादल इतने समझदार नहीं रहे कि वे आदमी की भाषा, भावों को यथावत प्रेषित कर सके। इधर विज्ञान ने संवाद के लिए उपकरण खोजे हैं, जो प्रकृति की धड़कनों पर सवार होकर भावों और विचारों को सहजता से संप्रेषित करने लगे, तब से संप्रेषणीयता तो सहज हो गई, मगर विचारों में परिपक्वता प्रायः समाप्त हो गई। प्रतीक्षा इंसान के भीतर व्याकुलता पैदा करती है, लेकिन उसे भीतर से धीरज रखने का गुण भी सिखाती है।

हमारे जीवन की नियमितता की निरर्थकता भी एक सामाजिक आत्महत्या ही है। इसलिए दिनचर्या के निष्कर्ष ही भविष्य की नींव रखते हैं। दिनचर्या की स्मृति जीवन की उत्तर-मीमांसा है। इसमें जोड़-तोड़ की घनीभूत बातें होती हैं, तो सुख-दुख के हर्ष-शोकग्रस्त क्षण भी। आंसू की हिचकी ऊपर आए, तो शायद हम स्मरण कर सकें बहुत कुछ ऐसा जो अपने भीतर या अपने आसपास, अपने ही बीच से गुजरा हो। किसी की होड़ या दौड़ में जीवन खपाने वाले हम स्मृतियों का प्रतिबिंब देखना चाहते हैं, लेकिन उनसे संवाद करने का धैर्य नहीं जुटा पाते। विमर्शों को सीढ़ी बनाकर हम एक नया विमर्श खड़ा कर देते हैं, जिसमें मूल स्मृति कहीं विलोपित हो जाती है। अंत में हम उसी नए को स्मृति मानकर बहुत आगे निकल जाते हैं।

दरअसल, हम जीवन के एकांत और मन के अंतरतम के यथार्थ से वंचित रह गए हैं। शायद इसलिए हमें पता नहीं कि पहाड़ों को लीपा नहीं, लांघा जाता है। पहाड़ों पर भटकाव के मोड़ों पर किसी फूल की सुगंध से कई बार रास्ते पार होते हैं। अंधेरा हो या रोशनी, अंकुर का बढ़ना नहीं रुकता। लता अपना गंतव्य खोज ही लेती है। किसी फूल का इशारा उसकी सुगंध ही देती है। तितलियों की आवाजाही उसे उत्सव में बदल देती है, जब कोई कवि, सर्जक रच देता है उस दृश्य में बसे शब्द को और बच्चे गुनगुनाते हैं उसे प्रार्थनाओं में, तो कभी लोरी समझकर।

जिस विचार को लेकर हम स्वयं को बुद्धिजीवी समझते हैं, उस विचार की भूमिका केवल व्याख्याकार की नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व वहन करने वाली नैतिक चेतना की भी है। हमारी आंखों के सामने काफी बड़ा हिस्सा प्रतिदिन, अनवरत रेलों और बसों में यात्रा करता है। ऐसे में कितने गहरे और सूक्ष्म अनुभव जीवन में जुड़ते हैं। हम उनमें उतना ही याद रख पाते हैं, जितने से हमारा समय बाधित होता है। शेष को नजरअंदाज करना हमारे परस्पर मनुष्य होने पर संदेह पैदा करती है।

हम एक-दूसरे के सामने होकर भी एक-दूसरे के सुख-दुख से कितने अपरिचित हैं! कभी-कभी लगता है आंसुओं का होना कितनी बड़ी आश्वस्ति है। आंसू ऐसी आर्द्रता हैं, जो धरती और हवा में भी नमी बचाए हुए हैं। शायद यही संवेदनशील या कारुणिक होने की अंतिम निशानी है। आंसू कई तरह से आंखों में भरते हैं और वे कैसे पोंछे जाते हैं, इस बात में इंसानियत के रहस्य छिपे हुए हैं। हमने नहीं जाना। इस तेज भागती दुनिया में कौन शर्मीले गड़रियों की तरह धीरे चलने का गुण रखता है? दुनियाभर की आत्मनिर्भर और अपने भरोसे खड़ी हुई महिलाओं का स्त्री विमर्श और गीली हवाओं-सी घुल मिल जाने वाली घर की मां-बहनों, भाभियों, चाचियों, बुआओं, बहुओं का स्त्री विमर्श कभी एक नहीं होता। भला ऐसा क्यों?

महानगरों में बन रही गगनचुंबी इमारतों के निकट मजदूर महिलाएं। उस स्त्री के जीवन में सुख है भी या नहीं, वह नहीं जानती, लेकिन वे सदा हारी हुई परिस्थिति में ही काम करती हैं। हम सबकी समस्याएं कितनी भिन्न हो गईं? ध्वनि में यह अद्भुत गुण है कि एक क्षण में ही वह हमें किसी दूसरे समय-संदर्भ में पहुंचा सकती है, लेकिन उन तक पहुंचने का मार्ग हमने ही दुर्गम बना दिया है। कुछ हमारे ही निर्मित कानफोडू शोर, तो कुछ हमारी अतिव्यस्ततओं में हमें हमारे ही भीतर की ध्वनि सुनाई नहीं देती, आगे की दुनिया दिखाई नहीं देती। हम केवल उस दुनिया को जीते हैं, जो समय पूरा करते हुए आगे बढ़ती है। प्रगतिशीलता के नए दौर में निजता के अभिजात में लफ्फाजी से छुटकारा पाना सहज नहीं। शायद इसलिए इन दिनों संवेदनशील युवकों के चित्त में भी एक विचित्र प्रकार का अजनबीपन, संत्रास, असहाय वृत्ति और निराशा का वातावरण बना हुआ है।

स्मृति भले ही हमारे भीतर सूख जाए, लेकिन पानी की कुछ मिकदार (मात्रा) आंखों में बची रहे। यही क्रूर समय में मानवीय सभ्यता का सबसे मार्मिक दृश्य है, जो सब कुछ भूल जाने के बाद भी यह बचाए रखता है कि वह मनुष्य हो। ठीक उसी तरह जैसे फूल, तितली और शब्द। एक कविता की पंक्तियां हैं- 'तुम्हारे भीतर पानी सूख रहा है/ तुम्हारे भीतर हवा खत्म हो रही है/ और तुम्हारे समय पर कोई और कब्जा कर रहा है।' मौन निशब्द है, लेकिन यह भाषा है, भाव, शब्द, अर्थ, साधना, भक्ति, शक्ति, सामर्थ्य, ज्ञान, सुंदर और मुखर भी है। यह अमूल्य आभूषण भी है। मौन को जितनी भी उपाधि दी जाए, कम ही है। यह कमजोरी नहीं है, बल्कि यह शक्तिशाली है। कभी-कभी हम बोलकर शब्दों के जरिए जितना सटीक अपने आप को अभिव्यक्त नहीं कर पाते हैं, उससे ज्यादा चुप रहकर बोल लेते हैं।

शुरु से ही विवादों में घिरे रहे हैं लोकसभा अध्यक्ष बिरला

देश में संसद की गरिमा में गिरावट जारी है। लोकसभा स्पीकर जैसा गरिमामय और संवैधानिक पद विवादास्पद बना हुआ है। लगभग समूचा विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ बांहे चढ़ाए हुए है। बिरला पर विपक्ष लंबे समय से पक्षपात करने का आरोप लगाता आ रहा है। स्पीकर बिरला पर विपक्षी सदस्य लगातार उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन और सत्तापक्ष की खुलेआम पैरवी करने का आरोप लगाते रहे हैं। इस बार भी मुद्दा यही है। विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया है। हालांकि, गणित और इतिहास को देखें तो उन्हें हटाना बेहद मुश्किल है, लेकिन यह कदम आने वाले दिनों में संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कड़वाहट को और बढ़ा सकता है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सदन में भाषण होना था। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दावा किया उनके आग्रह पर प्रधानमंत्री मोदी सदन में उपस्थित नहीं हुए। ओम बिरला ने कहा कि मेरे पास ऐसी पुख्ता जानकारी आई कि कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य प्रधानमंत्री के आसन पर पहुंचकर कोई भी अप्रत्याशित घटना कर सकते थे। अगर यह घटना हो जाती तो यह अत्यंत अप्रिय होता, जो देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार कर देती। ओम बिरला के इस दावे पर विपक्ष की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि यह पूरी तरह झूठ है, पीएम को चोट पहुंचाने का सवाल ही नहीं था।

जून 2024 में दूसरी बार लोकसभा स्पीकर चुने जाने के बाद भी ओम बिरला पर आरोप लगा था कि वो विपक्षी सांसदों को बोलने का मौक़ा नहीं दे रहे हैं। तब भी ओम बिरला पर ये आरोप विपक्षी दल लगाते रहे हैं कि वो सत्ता के इशारे पर काम करते हैं जबकि स्पीकर का पद संवैधानिक पद है। जून 2024 में ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जब नीट परीक्षाओं के मुद्दे पर बोलने को खड़े हुए तो वो स्पीकर ओम बिरला से माइक देने (ऑन करने) की बात कहते सुनाई दिए। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि ज़रूरी मुद्दों पर माइक छीनकर युवाओं की आवाज़ को दबाया जा रहा है। हालांकि ओम बिरला ने कहा कि लोकसभा में माइक बंद नहीं करता हूं, यहां कोई बटन नहीं होता है।

ये पहला मौक़ा नहीं है जब विपक्ष और ओम बिरला के बीच तनातनी देखी गई। इससे पहले भी ओम बिरला विवादों में रह चुके हैं और उन पर विपक्ष सत्ता पक्ष की तरफ़ झुके रहने का आरोप लगा चुका है। संसद के शीतकालीन सत्र 2023 के दौरान 141 सांसदों को निलंबित किया गया था। इनमें 95 लोकसभा और 46 राज्यसभा सांसद शामिल थे। इससे पहले इतनी बड़ी संख्या में सांसदों का निलंबन नहीं हुआ था। इस निलंबन को अभूतपूर्व कहा गया था। इससे पहले 15 मार्च, 1989 को लोकसभा से 63 सांसदों को निकाला गया था। संसद में सुरक्षा चूक को लेकर सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे थे, जिसके बाद निलंबन की कार्रवाई की गई थी।

भारतीय संविधान में स्पीकर के पद को बहुत सुरक्षित रखा गया है ताकि वे बिना किसी डर या पक्षपात के काम कर सकें। अनुच्छेद 94 (सी) के तहत उन्हें हटाने की प्रक्रिया कुछ इस प्रकार है। प्रस्ताव लाने से कम से कम 14 दिन पहले इसकी लिखित सूचना देनी होती है। स्पीकर को हटाने के लिए सदन के तत्कालीन कुल सदस्यों के बहुमत की आवश्यकता होती है। अर्थात उस समय जितने सदस्य

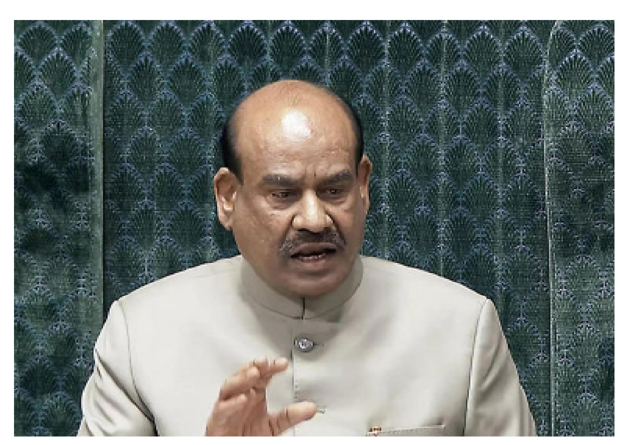

पद पर हैं, उनमें से 50इ से अधिक का समर्थन जरूरी है। जब प्रस्ताव पर चर्चा होती है, तब स्पीकर सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकते, हालांकि वे सदन में मौजूद रह सकते हैं और वोट डाल सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 96 के तहत अध्यक्ष को अपना बचाव करने का भी अधिकार दिया गया है।

आजाद भारत के इतिहास में ऐसे मौके बहुत कम आए हैं, जब लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया हो, लेकिन जब भी लाया गया तब विपक्ष ने संसदीय राजनीति को हिलाकर रख दिया। भारत के पहले लोकसभा स्पीकर जी.वी. मावलंकर के खिलाफ 18 दिसंबर 1954 को पहला अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। इसे विग्नेश्वर मिश्रा और अन्य विपक्षी नेताओं ने पेश किया था। उस समय नेहरू युग था और विपक्ष का तर्क था कि स्पीकर सरकार के प्रभाव में काम कर रहे हैं। हालांकि, भारी बहस के बाद यह प्रस्ताव गिर गया और मावलंकर अपने पद पर बने रहे।

तीसरी लोकसभा के दौरान स्पीकर हुकुम सिंह पर भी पक्षपात के आरोप लगे। समाजवादी नेता मधु लिमये द्वारा ये प्रस्ताव लाया गया था। वह दौर राजनीतिक रूप से बहुत उथल-पुथल वाला था। विपक्ष ने उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठाए, लेकिन संख्या बल न होने के कारण यह प्रस्ताव भी सफल नहीं हो सका। आठवीं लोकसभा के दौरान बलराम जाखड़ के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाने की कोशिश हुई। इसे सीपीएम के सांसद सोमनाथ चटजी ने पेश किया था। उस समय बोफोर्स जैसे मुद्दों पर सदन में भारी गतिरोध था। लेकिन कांग्रेस के पास भारी बहुमत होने के कारण विपक्ष का यह प्रयास महज एक प्रतीकात्मक विरोध बनकर रह गया। अक्सर विपक्ष ऐसे प्रस्ताव केवल अपनी नाराजगी दर्ज कराने और जनता का ध्यान खींचने के लिए लाता है। स्पीकर हमेशा सत्ता पक्ष या गठबंधन का होता है जिसके पास बहुमत होता है। जब तक सरकार के पास नंबर हैं, स्पीकर को हटाना नामुमकिन जैसा है।

यूनुस गए, शर्तें रह गईं
क्या अमेरिका से समझौते की कीमत चुकाएगा बांग्लादेश

एक कहावत है, 'सिर मुंडाते ही ओले पड़े'। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान पहले देश की समस्याओं से दो-चार हों, या अमेरिका से? यह सवाल सबको परेशान किए हुए है। अंतरिम सरकार और अमेरिका के बीच हुए आपसी व्यापार समझौते ने बांग्लादेश की आर्थिक संप्रभुता पर सवाल उठाए हैं, खासकर व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा से जुड़े फैसलों में। मुहम्मद यूनुस की सलाह वाली अंतरिम सरकार को सिर्फ कुछ दिनों तक रहना था, उसकी जिम्मेदारी केवल चुनाव सुचारु रूप से कराने तक थी। इसलिए यह सवाल उठा है कि मुख्य सलाहकार अमेरिका से समझौता कैसे कर सकते थे! तारिक रहमान के शपथ लेने के बाद यों भी मुहम्मद यूनुस का नई सरकार से कोई लेना-देना नहीं रह जाता है, फिर उन्होंने जल्दबाजी में अमेरिका से बाध्यकारी समझौता कैसे कर लिया?

आलोचक कई बाध्यकारी शर्तों वाले प्रावधानों की ओर इशारा करते हैं, जो यह बताते हैं कि अगर बांग्लादेश वाशिंगटन की शर्तों पर नहीं चला, तो भारी शुल्क फिर से आयद हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, समझौते में डिजिटल कारोबार सुविधा के प्रावधानों को देखा जा सकता है। अमेरिका से हुए समझौते में कहा गया है कि अगर बांग्लादेश किसी ऐसे देश के साथ नया डिजिटल व्यापार समझौता करता है, जो अमेरिका के जरूरी हितों को खतरे में डालता है, तो वाशिंगटन इस समझौते को खत्म कर सकता है और बांग्लादेशी निर्यात पर 37 फीसद शुल्क फिर से लगा सकता है।

यही शुल्क दर अमेरिका ने अप्रैल 2025 में प्रस्तावित की थी। नए समझौते में कहा गया है कि अगर बांग्लादेश के साथ बातचीत से अमेरिकी चिंताओं का समाधान नहीं होता है, तो अमेरिका इस समझौते से हट सकता है। इसके बाद अगर वह 37 फीसद शुल्क फिर से लागू कर दे, तो यह इतना ज्यादा है कि बांग्लादेश का अमेरिका को किया जाने वाला निर्यात तेजी से कम हो जाएगा।

यह एक महंगा सौदा है, क्योंकि यह दक्षिण एशियाई देश अपने निर्यात राजस्व का लगभग पांचवां हिस्सा अमेरिकी खरीदारों को बेचे जाने वाले कपड़ों और दूसरे सामान से कमाता है। एक तरह से डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस समझौते के जरिये बांग्लादेश को आर्थिक नकेल पहना दी है।

ऐसा लगता है कि नई सरकार के आने तक ट्रंप प्रशासन को सब्र नहीं था। और इसी वजह से यह आशंका जताई जा रही है कि अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस वाइट हाउस के दबाव में काम कर रहे थे। यूनुस चाहते तो इस समझौते को कुछ दिन टाल सकते थे। नौ फरवरी को अंतरिम सरकार और ट्रंप प्रशासन के बीच हुआ समझौता बांग्लादेश को 'किसी ऐसे देश से कोई भी परमाणु संयंत्र, फ्यूल राड या संवर्धित यूरेनियम खरीदने से भी रोकता है, जो अमेरिका के जरूरी हितों को 'खतरे में' डालता है।'

बांग्लादेश ने अतीत में जो समझौते किए, उसे जारी रखने में कोई बाधा नहीं है, लेकिन नए समझौतों में उसे अमेरिकी हितों का ध्यान रखना होगा। उदाहरण के लिए रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। इसमें दो रिएक्टर हैं। यह परमाणु ऊर्जा संयंत्र ढाका से लगभग 160 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में पद्मा नदी के किनारे ईश्वरदी उपजिला के रूपपुर में बन रहा है। रूसी सहयोग से यह बांग्लादेश का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र होगा। इसकी दो इकाइयों में से पहली इकाई मार्च 2026 में चालू होने की उम्मीद है।

समझौते से पता चलता है कि रूसी स्टेट कार्पोरेशन रोसाटाम के जरिए रूसी तकनीक और वित्तीय सहायता से बने रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए आपूर्ति जारी रहने में दिक्कत नहीं है, लेकिन भविष्य में किसी भी परमाणु परियोजना पर कड़ी जांच हो सकती है। इस मसले पर बांग्लादेश के कुछ विशेषज्ञों ने भी चिंता जताते हुए कहा कि यह समझौते का सबसे जरूरी और विवादित हिस्सा है, क्योंकि यह हमारी संप्रभुता पर सवाल उठाता है।

अब अगर अमेरिका बांग्लादेश के साथ रक्षा समझौते को आसान बनाने और बढ़ाने के लिए काम करेगा, तो इससे बांग्लादेश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है। दरअसल, यह समझौता दुर्लभ भू-धातुओं की खोज, उसे निकालने, उसे तैयार करने, भेजे जाने, वितरित करने और निर्यात करने के लिए अमेरिकी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का रास्ता भी खोलता है।

यही नहीं, समझौता यह भी सुनिश्चित कर गया कि बांग्लादेश को साढ़े तीन अरब डालर के अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने होंगे। इसमें पांच वर्ष तक हर साल कम से कम सात लाख टन गेहूं, 1.25 बिलियन डालर मूल्य के 2.6 मिलियन टन सोया और सोया उत्पाद और कपास खरीदने होंगे। बांग्लादेश को शुरू में 14 बोइंग एयरक्राफ्ट और 15 साल में 15 बिलियन की तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) भी खरीदनी होगी।

इसके अलावा, अमेरिकी सैन्य साजो-सामान की ज्यादा खरीद करनी होगी और कुछ देशों से रक्षा उपकरण की खरीद पर सीमा भी लगानी होगी। इस संदर्भ में देखें तो विशेषज्ञों की यह आशंका समझी जा सकती है कि यह मुक्त व्यापार के बजाय थोपी हुई जिम्मेदारी ज्यादा है। यह असल में अमेरिकी कंपनियों और वहां के किसानों के लिए मुनाफे को पक्का करता है।

इस संदर्भ में 'साउथ एशियन नेटवर्क आन इकोनामिक माडलिंग' की ओर से उठाई गई चिंता भी गौरतलब है कि बांग्लादेश को सस्ते विकल्प मौजूद होने पर भी ज्यादा महंगा सामान खरीदने के लिए मजबूर किया जा सकता है। इससे बांग्लादेश के विदेशी लेनदेन पर और दबाव पड़ेगा। सवाल है कि फिर बांग्लादेश एयरक्राफ्ट खरीदने और ऊर्जा आयात के लिए पूंजी कैसे लगाएगा?

स्वाभाविक तौर पर इससे विदेशी ऋण पर निर्भरता बढ़ने का खतरा है। ऐसी चिंताएं भी सामने आई हैं कि अमेरिका से समझौते के बाद बांग्लादेश को अब कच्चे माल के लिए चीन पर अपनी निर्भरता कम करनी होगी। कुल मिलाकर, 'यूनुस गए, मगर समस्या छोड़ गए' वाली स्थिति पैदा हो चुकी है। मुहम्मद यूनुस को 'अमेरिका के करीबी' के तौर पर देखा जाता रहा है। इस तथ्य की पुष्टि के लिए बिल क्लिंटन परिवार से उनकी निकटता के कई उदाहरण दिए जाते हैं।

हालांकि यह भी एक सार्वजनिक तथ्य है कि यूनुस का अकादमिक करिअर अमेरिका में बना। बिल क्लिंटन ही नहीं, बाद के राष्ट्रपतियों, जो बाइडन से लेकर डोनाल्ड ट्रंप तक से उन्होंने बेहद करीबी संबंध बनाए रखा। इन अन्योन्याश्रय संबंधों का फायदा उनके परिवार को मिलने के भी आरोप लगाए जाते रहे हैं।

सच यह है कि मुहम्मद यूनुस ने अपने कार्यकाल में जो कुछ किया, उसकी सही से जांच हो, तो कई नकारात्मक सूचनाएं भी लोगों को निराश करेंगी। मगर जो सकारात्मक पक्ष है, वह यह है कि बांग्लादेश में समय पर शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव हो गया। यह दीगर बात है कि तेरह फरवरी को बांग्लादेश में चुनाव के नतीजे आने के ठीक बाद मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के विशेष सहायक फैज अहमद तैयब जर्मनी चले गए।

इस 'अचानक प्रस्थान' ने यूनुस के साथियों के 'सुरक्षित निकलने' की बातों को पुख्ता करना शुरू कर दिया है। अब आशंका यह भी जताई जा रही है कि क्या मुहम्मद यूनुस भी अमेरिका या यूरोप के किसी देश में जाने की तैयारी में हैं!

जनता दर्शन में डीएम शैलेष कुमार सख्त लापरवाही पर नहीं मिलेगी कोई रियायत

सदूर ग्रामीण अंचलों से आए फरियादियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी कक्ष में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने ग्रामीण अंचलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनता दर्शन शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाला कार्यक्रम है, अतः इसमें किसी प्रकार की कोताही अथवा हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर

कार्रवाई की जाएगी और किसी कीमत पर उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। जनता दर्शन में राजस्व, पुलिस, विकास, समाज कल्याण, विद्युत, पंचायतीराज सहित विभिन्न विभागों से संबंधित प्रकरण प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को फोन /वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए तथा गंभीर प्रकरणों में स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगवाए जाएं। प्रत्येक शिकायत का समाधान पारदर्शी, निष्पक्ष एवं मानवीय दृष्टिकोण से किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को त्वरित न्याय एवं राहत उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर वि./रा. कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जीवन दीप कुष्ठ आश्रम का सीएमओ ने किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक ने बुधवार को जीवन दीप कुष्ठ आश्रम, पिपरीस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आश्रम में उपलब्ध सुविधाओं एवं निवासरत लोगों की स्थिति की समीक्षा की गई। निरीक्षण में बताया गया कि आश्रम में कुल 76 लोग निवास करते हैं, जिनमें 18 बच्चे, 33 पुरुष एवं 25 महिलाएं शामिल हैं। आश्रम में 12 कुष्ठ रोग से दिव्यांग व्यक्ति हैं, जिन्हें सरकार द्वारा प्रतिमाह तीन हजार रुपये पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। साथ ही 73 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।

जानकारी दी गई कि दिनांक 30 जनवरी 2026 को 13 कुष्ठ रोगियों को एमसीआर चप्पल तथा 6 रोगियों को स्व-देखभाल किट वितरित की गई थी। इसके अतिरिक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदोही द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 24 रोगियों का उपचार किया गया।

आश्रम में कुल 48 आवास हैं, जिनमें लोग निवास करते हैं। निरीक्षण के दिन पुनः 4 कुष्ठ रोगियों को एमसीआर चप्पल एवं स्व-देखभाल किट प्रदान की गई।

दुर्गागंज पुलिस ने दो शातिर चोरों को दबोचा

भदोही। थाना दुर्गागंज पुलिस ने सबमर्सिबल पंप चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी क्राइम चमन सिंह चावड़ा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 18 फरवरी को रात्रि चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर हिम्मतपुर वरुणा पुल के पास से अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 02 स्टेपलाइजर, 02 स्टार्टर, 01 सबमर्सिबल पंप एवं 01 बंडल केबल तार बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान संदीप कन्नौजिया निवासी हिम्मतपुर थाना दुर्गागंज जनपद भदोही तथा आरीफ शेख निवासी तिलकट बाजार थाना सरायममरेज जनपद प्रयागराज के रूप में हुई है। पूछताछ में अभियुक्तों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रामनगर व आसपास के गांवों में कई स्थानों से सबमर्सिबल पंप व अन्य उपकरण चोरी करना स्वीकार किया। बरामदगी के आधार पर अभियोग में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए विधिक कार्यवाही की जा रही है।

बनकट में 16 लाख की लागत से आरसीसी सड़क निर्माण शुरू

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावां विकास खण्ड के बनकट गांव में ग्रामीण विकास को गति देते हुए 16 लाख रुपये की लागत से बनने वाली आरसीसी सड़क का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है। यह सड़क पूर्व प्रधान संजय दुबे के आवास से शर्मा बस्ती तक बनाई जाएगी, जिससे क्षेत्र के सैकड़ों लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और बरसात के मौसम में होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी।

बुधवार को जिला पंचायत सदस्य चन्द्र भूषण त्रिपाठी (पप्पू) ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पक्की सड़कें विकास की बुनियाद होती हैं। इस आरसीसी सड़क के निर्माण से स्थानीय लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी, साथ ही गांव की तस्वीर बदलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जनता की मूलभूत जरूरतों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना उनका दायित्व है और आने वाले समय में क्षेत्र में अन्य विकास कार्य भी कराए जाएंगे। जिला पंचायत सदस्य ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण सामग्री के साथ कराया जाए और इसे समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए, ताकि जनता को शीघ्र लाभ मिल सके। सड़क निर्माण शुरू होने पर ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जनप्रतिनिधियों का आभार जताया और इसे गांव के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

नगर पंचायत घोसिया चेयरमैन पद प्रत्याशी रईस अहमद उसमानी की ओर से देश, प्रदेश व नगरवासियों को रमजान मुबारक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। पवित्र माह रमजान के मुबारक मौके पर देश, प्रदेश एवं नगर पंचायत घोसिया सहित जनपद भदोही के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

नगर पंचायत घोसिया चेयरमैन पद प्रत्याशी रईस अहमद उसमानी ने अपने संदेश में कहा कि रमजान का पाक महीना रहमत, बरकत और मग़फिरत का महीना है। यह महीना हमें सब्र, त्याग, सेवा और भाईचारे का संदेश देता है। रोज़ा इंसान को आत्मसंयम सिखाता है और समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि रमजान केवल इबादत का महीना नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द को मजबूत करने का अवसर भी है। हमें इस मुबारक महीने में नफरत और भेदभाव को छोड़कर प्रेम, सद्भाव और इंसानियत को बढ़ावा देना चाहिए।

रईस अहमद उसमानी ने दुआ की कि अल्लाह तआला सभी की इबादतों को कबूल फरमाए, जनपद भदोही एवं नगर पंचायत घोसिया में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली कायम रखे तथा पूरे देश में भाईचारा मजबूत हो।

उन्होंने सभी रोजेदारों से अपील की कि इस पवित्र माह में अधिक से अधिक इबादत करें, गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता करें तथा समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने में अपना योगदान दें।

बाल सुरक्षा और कल्याण को लेकर एएसपी ने की गोष्ठी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। बाल सुरक्षा और कल्याण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भदोही पुलिस द्वारा पुलिस लाइन ज्ञानपुर सभागार में बाल कल्याण समिति के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने की। गोष्ठी में बच्चों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा तथा बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम को लेकर संबंधित अधिकारियों व समिति सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

गोष्ठी के दौरान जनपदीय पुलिस द्वारा संचालित 'ऑपरेशन नया जीवन' अभियान की प्रगति की जानकारी दी गई। अभियान के तहत अनाथ एवं वंचित बच्चों की पहचान कर उन्हें शिक्षा, जन्म प्रमाण पत्र, आधार, बैंक खाता तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। अब तक इस अभियान में कुल 54 बच्चों का चयन किया गया है। अधिकारियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पुलिस विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई।

अभियान को सफल बनाने में अहम योगदान देने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में इन्द्रभूषण यादव प्रभारी निरीक्षक थाना एचटी भदोही, हरिदत्त पाण्डेय उप निरीक्षक थाना एचटी भदोही, रामकिशोर साहू मुख्य आरक्षी थाना एचटी भदोही, मनोज शर्मा श्रम प्रवर्तन अधिकारी भदोही, इन्द्रजीत तिवारी श्रम विभाग भदोही, मनोज कुमार पाल, राजमणि, शिव कुमारी (एनजीओ मान्य सामाजिक एवं महिला विकास संस्थान, भदोही), वेद प्रकाश यादव खंड शिक्षा अधिकारी अभोली तथा श्याम लाल त्रिपाठी एडीओ पंचायत अभोली शामिल रहें।

जेआरएफ के माध्यम से बीएचयू में पीएचडी हेतु चयन, ग्राम में खुशी का माहौल

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अयोध्या जनपद के ग्राम पिलखावन, पोस्ट ज्ञानापुर निवासी अभिषेक पांडेय (गणेश) ने एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि हासिल की है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम.एड. की पढ़ाई पूरी करने के उपरांत, उनका चयन जूनियर रिसर्च फेलोशिप के माध्यम से काशी हिंदू विश्वविद्यालय में पीएचडी कार्यक्रम के लिए हुआ है।

यह सफलता अभिषेक पांडेय की निरंतर मेहनत, अनुशासन और शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रतिफल है। उनके चयन की सूचना मिलते ही पूरे ग्राम में खुशी का माहौल बन गया। परिजनों, ग्रामवासियों, शिक्षकों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाइयाँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ग्रामीणों का कहना है कि अभिषेक पांडेय की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और इससे शिक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश जाता है। उनकी सफलता से ग्राम पिलखावन सहित पूरे क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है।

हिंदुओं की घटती जनसंख्या चिंता जनक, घर वापसी का काम तेजी से होना चाहिए-मोहन भागवत

लखनऊ **(एजेंसी)**। यूजीसी के समता संवर्धन कानून को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉण् मोहन भागवत ने कहा है कि कानून सभी को मानना चाहिए। यदि कानून गलत है तो बदलने का उपाय भी है। जातियां झगड़े का कारण नहीं बनना चाहिए। समाज में अपनेपन का भाव होगा तो इस तरह की समस्या नहीं होगी। मंगलवार को लखनऊ के निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में सामाजिक सछ्वाव बैठक में बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉण् मोहन भागवत ने कहा कि जो नीचे गिरे हैंए उन्हें झुक कर ऊपर उठाना पड़ेगा। सभी अपने हैंए यह भाव मन में होना चाहिए।

संघर्ष से नहींए समन्वय से दुनिया आगे बढ़ती है। एक को दबाकर दूसरे को खड़ा करने का भाव नहीं होना चाहिए। डॉण् मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज को संगठित और सशक्त होने की आवश्यकता है। हमको किसी से खतरा नहीं हैए लेकिन सावधान रहना है। हिंदुओं की घटती जनसंख्या पर चिंता जताते हुए उन्होंने लालच और जबरदस्ती हो रहे मतांतरण पर रोक लगाने की बात कही।

उन्होंने कहा कि घर वापसी का काम तेज होना चाहिए। जो लोग हिंदू धर्म में लौटेंए उनका ध्यान भी हमें रखना होगा। बढ़ती घुसपैठ पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को डिटेक्टए डिलीट और डिपोटर् करना होगा। उन्हें रोजगार नहीं देना है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए। वैज्ञानिकों के हवाले से उन्होंने कहा कि जिस समाज में औसतन तीन से कम बच्चे होते हैंए वह समाज भविष्य में समाप्त हो जाता है। यह बात हमारे परिवारों में नव दंपतियों को बताई जानी चाहिए।

सर संघचालक ने कहा कि विवाह का उद्देश्य सृष्टि आगे चलेए यह होना चाहिएए वासना पूर्ति नहीं। इसी भावना से कर्तव्य बोध आता है। उन्होंने कहा कि सछ्वाव न रहने से भेदभाव होता है। हम सभी एक देशए एक मातृभूमि के पुत्र हैं। मनुष्य होने के नाते हम सब एक हैं। एक समय भेद नहीं थाए लेकिन समय चक्र के चलते भेदभाव की आदत पड़ गई हैए जिसे दूर करना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन विचारधारा सछ्वाव की विचारधारा है। उन्होंने कहा कि जो विरोधी हैंए उन्हें मिटाना हैए ऐसा हम नहीं मानते। एक ही सत्य सर्वत्र है। इस दर्शन को समझ कर आचरण में लाने से भेदभाव समाप्त होगा। सरसंघचालक ने कहा कि घर.परिवार का आधार मातृशक्ति है।

हमारी परंपरा में कमाई का अधिकार पुरुषों को थाए लेकिन खर्च कैसे होए यह मातायें तय करती थी। मातृशक्ति विवाह के बाद दूसरे घर में आकर सभी को अपना बना लेती है। पश्चिम में महिलाओं का स्तर पत्नी से हैए हमारे यहां उन्हें माता माना जाता है। उनका सौंदर्य नहींए वात्सल्य देखा जाता है। डॉण् भागवत ने कहा कि भारत निकट भविष्य में विश्व को मार्गदर्शन देगा।

अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक छ्ज्ञएभदोही के नेतृत्व में शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल मार्गदर्शन में आज पुलिस लाइन ज्ञानपुर भदोही के सभागार में ऑपरेशन नया जीवन के तहत बच्चों के जीवन को कायाकल्प करने के उद्देश्य से जनपद भदोही में बनवासी मजदूरों के परिवारों एवं उनके लगभग 54 अनाथ बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र , आधार कार्ड, बनवाकर बैंक खाता खुलवाने तथा शिक्षा से जोड़ने का कार्य करने के लिए, महत्वपूर्ण योगदान एवं कर्तव्य परायणता की प्रशंसा करते हुए श्री मनोज शर्मा श्रम प्रवर्तन अधिकारी भदोही श्री इंद्रजीत तिवारी श्रम विभाग भदोही को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

22 फरवरी को भदोही में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन

कार्पेट एक्सपो मार्ट में लगेगा शिविर, आमजन को मिलेगी निःशुल्क विधिक सहायता

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद भदोही में आमजन को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 22 फरवरी 2026 को मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर कार्पेट एक्सपो मार्ट, कार्पेट सिटी, भदोही में आयोजित होगा।

यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के पत्र दिनांक 28 नवम्बर 2025 के द्वारा कार्यपालक अध्यक्ष वरिष्ठ न्यायमूर्ति उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में 22 फरवरी 2026 को मेगा बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाना है के अनुपालन में किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को विधिक जानकारी, परामर्श एवं सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही के हेल्पलाइन नंबर-8009996944 व 8354812380 एवं नालसा हेल्प लाइन नम्बर -15100 पर संपर्क सुझाव हेतु कर सकते है।

शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे तथा नागरिकों को निःशुल्क विधिक परामर्श, लोक अदालत से संबंधित जानकारी, पेंशन, पारिवारिक विवाद, भूमि विवाद, महिला उत्पीड़न, श्रम संबंधी समस्याएं, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं एवं अन्य विधिक मामलों में सहायता प्रदान की जाएगी। पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही आवश्यक मार्गदर्शन एवं समाधान उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भदोही की पूर्णकालिक सचिव तरूणिमा पाण्डेय व जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अखिलेश दुबे ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भदोही ने जनपद के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं का निस्तारण कराएं।

दुकान के सामने से दिनदहाड़े बाइक चोरी

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के जंगीगंज चौकी अंतर्गत बाजार में दिनदहाड़े मोटरसाइकिल चोरी की घटना सामने आई है। घटना के बाद बाजार क्षेत्र में दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राम उजागिर उपाध्याय, पुत्र स्वर्गीय दुर्गा प्रसाद, निवासी ग्राम सदाशिव पट्टी, पोस्ट दरवासी, थाना कोइरौना, जनपद भदोही ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि जंगीगंज बाजार स्थित सीतामढ़ी मोड़ पर उनकी चाय-पान की दुकान है। दुकान के सामने खड़ी उनकी हीरो होंडा मोटरसाइकिल कुछ ही देर में अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिलाओं व किशोरियों के स्वास्थ्य पर जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान तथा वेलस्पन फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड नॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को ग्राम पंचायत भवन साडा में महिलाओं एवं किशोरियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में दस ग्राम पंचायतों से लगभग 70 महिलाएं एवं किशोरियां शामिल हुईं। ग्राम प्रधान छोटू ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि गांव की महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर जागरूकता फैलाना अत्यंत सराहनीय कार्य है।

प्रशिक्षण के दौरान रीता सिंह ने महिलाओं से संबंधित बीमारियों एवं समस्याओं जैसे एनीमिया, पोषण, माहवारी स्वच्छता, लैंगिक समानता, स्वच्छता एवं पेयजल तथा गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही यह भी बताया गया कि महिलाएं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में संस्था से सहयोग प्राप्त कर सकती हैं।

वेलस्पन परियोजना के परियोजना समन्वयक उमाशंकर ने परियोजना के उद्देश्य एवं अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी। वहीं सुरियावां थाना से आई महिला मुख्य आरक्षी गरिमा यादव ने महिलाओं को मिशन शक्ति के अंतर्गत घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न तथा महिला सहायता केंद्र के बारे में जागरूक किया।

कार्यक्रम का संचालन रीता सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूजा भारती, सरिता मौर्य, केसा, आनंद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

11 नवजात बालिकाओं के साथ मनाया गया जन्मोत्सव

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश महिला कल्याण निगम की अध्यक्ष कमलावती सिंह ने बुधवार को वन स्टॉप सेंटर कार्यालय का निरीक्षण किया ।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने केंद्र में उपस्थित पीड़ित महिलाओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी तथा उन्हें उनके अधिकारों की जानकारी दी। इस दौरान यह भी कहा गया कि समाज को महिलाओं की सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। निरीक्षण के समय केंद्र की साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। साथ ही केंद्र प्रबंधक को निर्देश दिए गए कि विधिक सहायता की आवश्यकता वाली महिलाओं के मामलों को चिन्हित कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय भेजा जाए।

इसी क्रम में कार्यक्रम के अंतर्गत कन्या जन्मोत्सव का आयोजन वन स्टॉप सेंटर में किया गया, जिसमें 11 नवजात बालिकाओं का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर एक नवजात बालिका से केक कटवाकर जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान माताओं एवं नवजात बालिकाओं को बेबी किट, उपहार एवं मिष्ठान वितरित किए गए।

अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि लड़का और लड़की में भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए तथा दोनों को समान शिक्षा एवं अवसर मिलने चाहिए, जिससे बेटियां आत्मनिर्भर बनकर परिवार, समाज और देश का नाम रोशन कर सकें। बताया गया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य लिंगानुपात में सुधार लाना तथा कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना है। साथ ही बाल विवाह रोकथाम के अंतर्गत शपथ ग्रहण एवं हस्ताक्षर भी कराए गए। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी शत्रुघ्न कन्नौजिया, वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रबंधक, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

आगामी त्यौहार में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिया सम्भ्रान्त व्यक्तियो के साथ हुई बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन मे क्षेत्राधिकारी इटवा पवीन प्रकाश द्वारा रवीन्द्र सिंह प्रभारी निरीक्षक इटवा के साथ आगामी त्यौहार रमजान, होली व ईद-उल-फितर को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न कराये जाने हेतु थाना क्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों, ग्राम प्रधान तथा धर्मगुरूओ के साथ पीस कमेटी मीटिंग आहूत की गयी। जिसमे लोगो से त्यौहार के सम्बन्ध मे कोई विवाद या समस्या के सम्बन्ध मे पूछा गया किसी द्वारा कोई विवाद नही बताया गया । मीटिंग में उपस्थित सभी व्यक्तियों से उक्त त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के सम्बन्ध में उच्चाधिकारीगण द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशो का पालन करने हेतु अवगत कराया गया।

छुट्टी पर आए जांबाज फौजी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

घर की छत पर इस हाल में मिला शव, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बस्ती जिले से दिल को झकझोर देने वाली ऐसी खबर सामने आई है, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। सरहदों पर दुश्मनों के दांत खट्टे करने वाला एक जांबाज सिपाही अपने ही घर की छत पर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। दुबौलिया थाना क्षेत्र के भनखरपुर गांव में उस वक्त सन्नाटा पसर गया, जब ग्रामीणों को पता चला कि उनके गांव का लाल, लांस नायक शरद उपाध्याय अब इस दुनिया में नहीं रहा।

राजस्थान के अलवर जिले में 412 यूनिट में तैनात लांस नायक शरद उपाध्याय महज 9 दिन पहले ही सेना से छुट्टी लेकर अपने घर आए थे। घर में त्यौहार जैसा माहौल था, परिजन खुश थे कि बेटा सरहद से सुरक्षित लौटकर उनके बीच आया है, लेकिन किसे पता था कि यह छुट्टियां शरद की आखिरी छुट्टियां साबित होंगी। सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में उनका शव उनके ही मकान की छत पर मिलने से पूरी बस्ती जनपद में सनसनी फैल गई है।

घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। भारी संख्या में ग्रामीण शरद के घर के बाहर जमा हो गए। शव के मिलने की स्थिति को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं। आखिर 9 दिन पहले छुट्टी पर आए एक फौजी की मौत उसके अपने ही घर की छत पर कैसे हो गई? क्या यह कोई हादसा है, मानसिक तनाव का परिणाम है या इसके पीछे कोई गहरी साजिश छिपी है? ये वो सवाल हैं जो फिलहाल भनखरपुर के हर शख्स की जुबान पर हैं। सूचना पाकर दुबौलिया थाना पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और परिजनों से पूछताछ की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।

फौजी शरद उपाध्याय के निधन की खबर मिलते ही भनखरपुर सहित आस-पास के गांवों में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि शरद एक अनुशासित और मिलनसार व्यक्ति थे। देश सेवा का जज्बा उनमें कूट-कूट कर भरा था। उनकी इस असामयिक और संदिग्ध मौत ने न केवल उनके परिवार को अनाथ कर दिया है, बल्कि पूरे गांव को गमगीन कर दिया है। वही देर शाम गांव में दिवंगत आर्मी जवान का शव तिरंगे में लिपट कर आया तो अंतिम दर्शन के लिए लोगों को भीड़ उमड़ पड़ी और इस घटना को देखकर सभी की आंखे नम थी।

महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जगरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान' के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व बृजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज के कुशल पर्यवेक्षण मे थानाध्यक्ष अमित कुमार थाना पथरा बाजार के निर्देशन मे थाना क्षेत्र के ग्राम पथरा की बहू बेटी जो थाने तक नहीं आ सकती हैं उनको चौपाल लगाकर बहु सम्मेलन कर जागरूक किया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे जानकारी दी गयी । मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्वन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर व नए कानून के बारे में जानकारी दी गई ।

चलती ट्रेन में युवती से दुष्कर्म के प्रयास मामले में एक्शन टीटीई किया गया निलंबित, आरोपी की तलाश में जीआरपी

देवरिया **(एजेंसी)**। जिले की एक युवती ने चलती ट्रेन में टिकट जांच कर्मचारी (टीटीई) पर दुष्कर्म के प्रयास मामले में आरोपित टीटीई राहुल कुमार को रेलवे प्रशासन ने निलंबित कर दिया है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए एसपी रेलवे ने पुलिस टीम का गठन कर आरोपी पर 10 हजार रुपये इनाम घोषित कर दिया है। आरोपी पटना (बिहार) के बिहटा स्थित समसारा गांव का रहने वाला है। दरअसल, एक युवती ने आरोप लगाया है कि उसके साथ एसी फर्स्ट क्लास के केबिन में रेप की घटना का अंजाम दिए जाने की कोशिस की गई। पीड़िता की शिकायत पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने आरोपी टीटीई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें पटना में दबिश दे रही हैं। हालांकि अभी तक आरोपी तक रेलवे पुलिस नहीं पहुंच पाई है।

जीआरपी सूत्रों के अनुसार घटना 15 फरवरी की बताई जा रही है। पीड़िता मऊ से गोरखपुर जाने के लिए ट्रेन में सवार हुई थी। आरोप है कि यात्रा के दौरान टीटीई ने चलती ट्रेन में उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। पीड़िता की तहरीर पर पहले गोरखपुर जीआरपी में मामला दर्ज किया गया था। बाद में घटना स्थल देवरिया क्षेत्र में पड़ने के कारण केस को देवरिया जीआरपी को स्थानांतरित कर दिया गया।

जीआरपी ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। रेलवे अधिकारियों से आरोपी के ड्यूटी चाटर्, संबंधित कोच की सूची, यात्रियों का विवरण और सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पीड़िता के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शाहजहांपुर में 74 साल बाद हटाया गया 300 बीघा वन भूमि पर कब्जा, फसल जोतकर नष्ट

शाहजहांपुर **(एजेंसी)**। जिले में प्रशासन ने पिछले 74 वर्षों से वन विभाग की 300 बीघा जमीन पर किसानों द्वारा किए गए कब्जे को हटवा दिया है। इस दौरान जमीन जोतवाकर उस पर खड़ी उनकी फसल को भी नष्ट कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बुधवार को बताया कि वर्ष 1952 में खुटार थानाक्षेत्र स्थित जंगल की जमीन पर कब्जा शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि धीरे-धीरे वन विभाग की करीब 300 बीघा जमीन पर कब्जा कर लिया गया और उसमें खेत बनाकर फसल उगानी शुरू कर दी गयी थी। उन्होंने कहा कि कई बार वन विभाग ने कब्जे को हटाने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि इसके बाद वन अधिकारियों ने पुलिस से इस जमीन को कब्जा मुक्त करने के लिए अनुरोध किया था।

उन्होंने बताया कि इस शिकायत पर पुलिस क्षेत्राधिकारी (पुवायां) प्रवीण मलिक के नेतृत्व में एक टीम बनाई गयी, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों को भी शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि इस टीम की देखरेख में जंगल की भूमि पर अवैध कब्जे को मंगलवार को हटाते हुए फसल को जोतवाकर नष्ट कर दिया गया। द्विवेदी ने बताया कि इस दौरान प्रशासन को किसानों के विरोध का सामना भी करना पड़ा, हालांकि पुलिस ने स्थिति को संभाल लिया। विगत 10 नवंबर को जलालाबाद क्षेत्र के रोली बोली गांव में भी 13 बीघा जमीन पर बने लगभग 30 मकानों को अवैध बताकर पुलिस प्रशासन ने तोड़ दिया था।

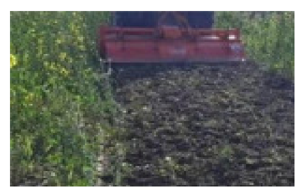

मासूम बच्चों को मुर्गा बनाकर दी तालिबानी सजा! सस्पेंड हुए तो बोले- 'मैं तो योग करा रहा था'

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मेरठ जिले से एक विचलित करने वाली तस्वीर सामने आई है, जहां अनुशासन के नाम पर मासूम बच्चों को क्रूर सजा दी गई। फलावदा थाना क्षेत्र के अमरोली गांव के एक सरकारी स्कूल में बच्चों को मुर्गा बनाकर पीटने का वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने आरोपी इंचार्ज अध्यापक गोविंद सिंह को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कक्षा के बाहर कुछ मासूम बच्चों को 'मुर्गा' बनाकर बैठाया गया है, जबकि कुछ छात्राएं सजा के तौर पर हाथ ऊपर करके खड़ी हैं। वीडियो सामने आते ही हड़कंप मच गया और सोमवार को खंड शिक्षा अधिकारी त्रिवेंद्र कुमार जांच के लिए स्कूल पहुंचे।

करीब दो घंटे की जांच और बच्चों के बयान दर्ज करने के बाद चौंकाने वाला सच सामने आया। मास्टर साहब ने बच्चों को सिर्फ इसलिए 'मुर्गा' बना दिया क्योंकि वे स्कूल की निर्धारित ड्रेस पहनकर नहीं आए थे। जांच अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिक्षा के नियमों के तहत किसी भी बच्चे को शारीरिक या मानसिक रूप से प्रताड़ित करना दंडनीय अपराध है।

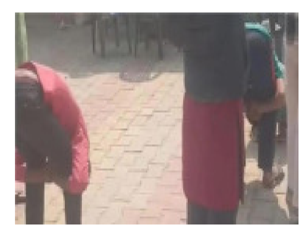

कार्रवाई की आंच आते ही आरोपी शिक्षक गोविंद जाटव ने नया दांव चला है। उन्होंने पुलिस को दिए पत्र में दावा किया कि वे बच्चों को प्रताड़ित नहीं कर रहे थे, बल्कि 'नई शिक्षा नीति' के तहत उन्हें योग करा रहे थे। इतना ही नहीं, उन्होंने गांव के ही कुछ लोगों पर स्कूल में घुसकर मारपीट करने और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

बीएसए आशा चौधरी ने साफ कहा है कि बच्चों को दी गई अमानवीय सजा ही विभाग की जांच का मुख्य बिंदु है। रिपोर्ट के आधार पर निलंबन की कार्रवाई हो चुकी है और अब विभागीय जांच के जरिए शिक्षक के पूरे आचरण की पड़ताल की जाएगी।

बनचौरी गांव में सफाई व्यवस्था हुई बदहाल, जिम्मेदारों पर उठ रहे सवाल, गांव की जनता हो रही हलकान

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के विकास खंड बढ़नी अंतर्गत ग्राम पंचायत खरिकौरा के टोला बनचौरी में साफ सफाई व्यवस्था बदहाल नजर आ रही है। ग्रामीणों को मजबूर होकर खुद साफ सफाई करनी पड़ती है। गांव की सफाई व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है। गांव में जगह जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ नजर आ रहा है।

सूत्रों की मानें तो इसी तरह ?विकास खंड बढ़नी क्षेत्र के अन्य कई ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। गांव में जगह जगह गंदगी देखने को मिल रही है। कई ऐसे सफाई कर्मी है जो सरकारी तनख्वाह तो लेते हैं, लेकिन गांवों में सफाई करने के बजाय इधर उधर घूम कर नेतागीरी कर रहे हैं। ऐसे लोगों की पोल खुलने वाली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सफाई कर्मी किराये पर मजदूर भेजकर कभी कभार गांव में थोड़ा बहुत सफाई करवा देते हैं। जिससे समस्या बढ़ती ही जाती है। इन दिनों गांव की सफाई व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है। जिससे जिम्मेदारों पर सवाल उठना लाजिमी हो गया है।

बताया जाता है कि गांवों में नालियां जाम होकर बदबू कर रही हैं। जिससे कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है। गांव का सफाई कर्मी कौन है, लोगों को खुद नहीं पता रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्राम पंचायत में नियुक्त सफाई कर्मी के बारे में हम लोगों को कोई जानकारी नहीं रहती है। सफाईकर्मीयों की लापरवाही के कारण गांव में जगह जगह गंदगी फैला रहता है। नाली की साफ-सफाई समय पर नहीं होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है।

जबकि अपर जिला पंचायत राज अधिकारी राजेश कुमार सिंह का कहना है कि सभी ग्राम पंचायत भवनों पर पंचायत सचिव का रोस्टर अनुसार बैठने का दिन समय निर्धारित किया गया है। और सफाई कर्मी, ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक व उच्चाधिकारियों का सम्पर्क नंबर अंकित करवाये जाने का दिशा-निर्देश जारी किया गया है। लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की जायेगी।

आकांक्षी जनपद में सम्पूर्णता अभियान 2.0 को सफल बनाने के सम्बन्ध में डीएम की अध्यक्षता में बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में नीति आयोग भारत सरकार द्वारा संचालित आकांक्षात्मक जनपद कार्यक्रम, आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम के अन्तर्गत सम्पूर्णता अभियान 2.0 को सफल बनाने के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सभी अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नीति आयोग द्वारा आकांक्षात्मक जनपद के रूप में चयनित किया गया है। सम्पूर्णता अभियान 2.0 अभियान 14 अप्रैल 2026 तक संचालित होगा। सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अन्तर्गत नीति आयोग द्वारा महत्वपूर्ण इंडिकेटर स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि आदि में लक्ष्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया। जनपद में सम्पूर्णता अभियान 2.0 के उद्देश्यों, लक्ष्यों एवं अपेक्षित परिणामों की जानकारी सभी संबंधित विभागों, अधिकारियों एवं जनसमुदाय को प्रदान की जाएगी। चयनित सभी संकेतकों से संबंधित आवश्यक कार्यवाहियों का विभागवार क्रियान्वयन किया जाएगा, जिसमें स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं अन्य संबंधित क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके। उक्त संकेतकों के लिए लक्ष्य निर्धारण एवं उनकी पूर्ण संतृप्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों, फील्ड कर्मियों एवं हितधारकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन संभव हो सके। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि जिन लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड नही बना है उनका शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड आशा के माध्यम से बनवाना सुनिश्चित करायें। जिससे लोगों को 5 लाख तक निःशुल्क इलाज की सुविधा प्राप्त हो सके। शत-प्रतिशत टीकाकरण कराये। कोई भी छूटना नही चाहिए तथा इसकी फीडिंग भी कराये। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सभी विद्यालयों में बालिका शौचालय, दिव्यांग शौचालय, पेयजल, फर्नीचर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। जिला कृषि अधिकारी को किसानों के मृदा का जांच कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सभी अधिकारी को निर्देश दिया फील्ड निरीक्षण अधिक से अधिक करे। इस कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, उपायुक्त श्रम रोजगार सन्दीप सिंह, डीएसटीओ बीएस यादव, उपायुक्त एनआरएलएम देवनन्दन दूबे, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा व अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस ने जनचौपाल लगाकर बालिकाओ और महिलाओं को महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव के कुशल नेतृत्व में व थानाध्यक्ष अभय सिंह द्वारा मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक कपिल मुनि यादव , महिला होमगार्ड उमरा खान द्वारा व जन चौपाल मे नए कानून के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र जोगिया उदयपुर के तनजवा में जनचौपाल लगाकर बालिकाओ/महिलाओं को एकत्रित कर महिला सुरक्षा, साइबर अपराध सुरक्षा व नए कानून के बारे मे बताते हुवे मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत बहु बेटी सम्मेलन आयोजित किया गया तथा उनके अधिकार के बारे में बताया गया व उनको जागरूक किया गया जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारे में जानकारी दी गई ।

पुलिस ने एक नफर वांछित/प्रकाश मे आए अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण में व मंयक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहतगढ के कुशल निर्देशन मे प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ पुलिस उप निरीक्षक संतोष कुमार यादव, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार यादव, कॉस्टेबल प्रभाकर यादव, कांस्टेबल धर्मनाथ यादव द्वारा मु0अ0स0 16/26 धारा 103(1), 238, 137(2), 87, 351(3) बीएनएस थाना शोहरतगढ से सम्बन्धित प्रकाश मे आये/वांछित अभियुक्त आशीष उर्फ राम आशीष पुत्र पुजारी निवासी मसीना थाना शोहरतगढ़ -हाल पता बाणगंगा थाना शोहरतगढ़ उम्र करीब 33 वर्ष को पतारसी सुरागरसी व मुखबीर खास की सूचना पर समय 12.37 बजे ग्राम गनचौरा के पास से आशीष उर्फ राम आशीष पुत्र पुजारी निवासी मसीना थाना शोहरतगढ़ आशीष उर्फ राम आशीष पुत्र पुजारी निवासी मसीना थाना शोहरतगढ़ नियमानुसार गिरफ्तार किया गया । विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा जा रहा है ।

पुलिस लाइन सभागार कक्ष में एसएसपी के नेतृत्व में अपराध गोष्ठी का आयोजन

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में अपराध गोष्ठी किया गया । अपराध गोष्ठी की शुरुआत सैनिक सम्मलेन से हुआ । तत्पश्चात एसएसपी द्वारा आगामी त्यौहार होली, रमजान ईद-उल-फितर के दृष्टिगत कृत कार्यवाही की समीक्षा तथा शहर व ग्रामीण इलाकों में पैदल गश्त, आपरेशन त्रिनेत्र के तहत स्थापित सीसीटीवी कैमरो की क्रिया शीलता, साइबर अपराध के रोकथाम सम्बन्धी प्रचार-प्रसार, आपरेशन कन्विक्शन के तहत चिह्नित अभियोगों की समीक्षा, सम्पत्ति व महिला उत्पीड़न सम्बन्धित पंजीकृत अभियोगों में कृत कार्यवाही, गुमशुदा/लापता व बरामदगी हेतु शेष बच्चो की बरामदगी के सम्बन्ध में की गयी कार्यवाही तथा लम्बित मुकदमों में एकत्रित साक्ष्य एवं गुण-दोष के आधार पर विवेचनाओं का निस्तारण एवं अभियुक्तों के प्रति वैधानिक कार्यवाही गुण्डा अधिनियम, गैंगेस्टर अधिनियम के अन्तर्गत अभियान चलाकर निरोधात्मक कार्यवाही किये जाने व गैंगेस्टर अधिनियम के अन्तर्गत की गयी कार्यवाही तथा बीपीओ द्वारा अंकित कराये गये बीट सूचना की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया । इसके अतिरिक्त महोदय द्वारा द मुख्यालय द्वारा जारी रैंकिंग की समीक्षा कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये तथा आई0जी0आर0एस0 प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण आदि बिन्दुओ की समीक्षा कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया । उक्त गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारीगण, प्रभारी अग्नि शमन, अभियोजन अधिकारी, प्रभारी प्रतिसार निरीक्षक, निरीक्षक प्रज्ञान शाखा, निरीक्षक रेडियो शाखा, समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष, आशुलिपिक पुलिस अधीक्षक, वाचक पुलिस अधीक्षक, प्रभारी यू0पी0-112, समस्त शाखा प्रभारी व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में मचा बवाल, मार्क वॉ बोले- स्टीव स्मिथ को बाहर करना सबसे बड़ी भूल थी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्क वॉ ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए चयन समिति की खराब टीम चयन की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि चोटों से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया की टीम का अभियान शुरू से ही नाकामयाब था। पल्लेकेले में बारिश ने जिम्बाब्वे पर मेहरबानी दिखाई और उन्हें सुपर आठ में जगह बनाने के लिए जरूरी एक अंक दिला दिया, जिसके चलते जिम्बाब्वे और श्रीलंका दोनों अपने ग्रुप से क्वालीफाई कर गए। हालांकि, आयरलैंड पर जीत के साथ शुरुआत करने के बाद जिम्बाब्वे और श्रीलंका से शर्मनाक हार झेलते हुए 2021 के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के लिए ग्रुप स्टेज में ही सफर खत्म हो गया।

ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट से पहले चोटों से जूझ रही थी, उनके दो सबसे वरिष्ठ तेज गेंदबाज पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। साथ ही, उनके स्टार बल्लेबाज टिम डेविड भी टूर्नामेंट से पहले हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे थे और अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखे। जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने शून्य और श्रीलंका के खिलाफ छह रन बनाए। इसके अलावा, कप्तान मिशेल मार्श को ग्रोइन इंजरी का सामना करना पड़ा और वे जिम्बाब्वे के खिलाफ वापसी करने से पहले शुरुआती दो मैच नहीं खेल पाए, जहां उन्होंने एक प्रभावशाली अर्धशतक बनाया।

सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग (बीबीएल) के शानदार सीजन के बाद, जिसमें उन्होंने बीबीएल इतिहास में किसी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक शतकों का रिकॉर्ड तोड़ा, स्टीव स्मिथ को श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया। स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ स्मिथ के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए, वॉ ने उनके चयन न होने को अविश्वसनीय बताया। इस सीजन में बीबीएल में उनकी टीम के उपविजेता रहने में, इस दिग्गज बल्लेबाज ने छह पारियों में 59.80 के औसत और 167.97 के स्ट्राइक रेट से 299 रन बनाए, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। स्काई स्पोर्ट्स द्वारा उद्धृत एसईएन रेडियो पर बोलते हुए, वॉ ने कहा कि मुझे लगता है कि चयन संबंधी समस्याओं और चोटों के कारण पूरा अभियान शुरू से ही बर्बाद होने वाला था।

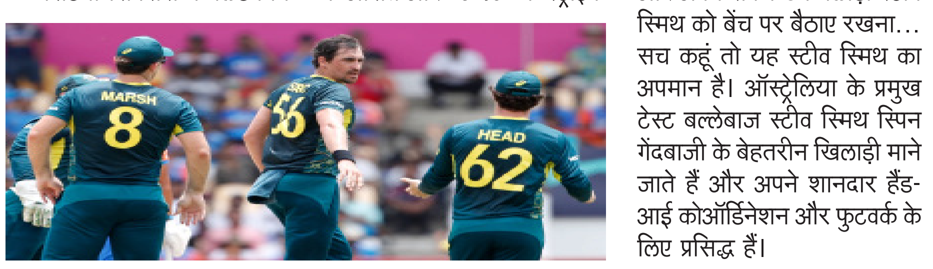

उन्होंने आगे कहा कि मेरे लिए, स्टीव स्मिथ को शुरू में टीम में न चुनना सबसे हैरान करने वाला फैसला है जो मुझे लंबे समय से याद है। मुझे लगता है कि उन्होंने चयन में पूरी तरह से गलती की है और अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी स्टीव स्मिथ को बेंच पर बैठाए रखना... सच कहूं तो यह स्टीव स्मिथ का अपमान है। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख टेस्ट बल्लेबाज स्टीव स्मिथ स्पिन गेंदबाजी के बेहतरीन खिलाड़ी माने जाते हैं और अपने शानदार हैंड-आई कोऑर्डिनेशन और फुटवर्क के लिए प्रसिद्ध हैं।

टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का विजय रथ जारी, यूएई को रौंदकर सुपर 8 में ली एंट्री

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका ने चल रहे टी20 विश्व कप 2026 में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखते हुए बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में संयुक्त अरब अमीरात को छह विकेट से हराकर समूह चरण में लगातार चौथी जीत दर्ज की। अनुशासित गेंदबाजी प्रदर्शन के दम पर यूएई को मामूली स्कोर पर रोकने के बाद, प्रोटियाज के शीर्ष क्रम ने 40 गेंद शेष रहते लक्ष्य का पीछा करते हुए टूर्नामेंट में अपनी लगातार चौथी जीत हासिल कर ली।

हल्के बादल छाए मौसम में पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुनने वाले दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्कराम के गेंदबाजों ने तुरंत ही इस फैसले को सही साबित कर दिया। यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम ने कागीसो रबाडा की गेंदों पर कुछ चौके लगाकर शुरुआती आक्रामक रुख दिखाया, लेकिन स्पिन गेंदबाजी और गति में बदलाव निर्णायक साबित हुए। जॉर्ज लिंडे (4 ओवर में 1/17) ने वसीम को एलबीडब्ल्यू आउट करके पहली सफलता दिलाई। हालांकि, कॉर्बिन बॉश (4 ओवर में 3/12) ने यूएई की पारी की कमर तोड़ दी। बॉश ने पिच का भरपूर फायदा उठाते हुए आर्यनश शर्मा और शोएब खान जैसे अहम विकेट लिए।

अलीशान शरफू की 38 गेंदों में 45 रनों की जुझारू पारी के बावजूद, यूएई अंतिम ओवरों में लय हासिल करने में नाकाम रहा और 20 ओवरों में 122/6 का कम स्कोर ही बना पाया। दक्षिण अफ्रीका की पारी की शुरुआत धीमी रही, क्योंकि एडन मार्कराम के पहली गेंद पर एक रन लेने के बाद क्विंटन डी कॉक ने पांच डॉट बॉल खेलीं। हालांकि, दूसरे ओवर में कप्तान मार्कराम और डी कॉक ने 13 रन बनाए। मार्कराम ने तीसरे ओवर में यूएई के हैदर अली पर हमला बोलते हुए 18 रन बनाए, लेकिन अंततः 11 गेंदों में 28 रनों की तेज पारी खेलने के बाद आखिरी गेंद पर आउट हो गए।

रायन रिकेल्टन ने 23 रन की साझेदारी की, लेकिन पावरप्ले से ठीक पहले डी कॉक का विकेट गिर गया और दक्षिण अफ्रीका ने पहले छह ओवरों का खेल 56/2 के स्कोर पर समाप्त किया। हालांकि, रयान रिकेल्टन और 'बेबी एबी' डेवाल्ड ब्रेविस ने उलटफेर की सारी उम्मीदें जल्द ही खत्म कर दीं। रिकेल्टन ने 16 गेंदों में 30 रन बनाए, जबकि ब्रेविस ने 25 गेंदों में 36 रनों की तूफानी पारी खेली। रिकेल्टन और ब्रेविस दोनों के आउट होने के बावजूद, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित कर दी थी। ट्रिस्टन स्टब्स (6ङ) और जेसन स्मिथ (3ङ) ने दक्षिण अफ्रीका को जीत दिलाई और मार्कराम की अगुवाई वाली प्रोटियाज टीम को सुपर 8 में पूरे जोश के साथ प्रवेश करने का मौका दिया।

पाकिस्तान के खिलाफ विस्फोटक पारी का इनाम, ईशान किशन की आईसीसी टी20 रैंकिंग के शीर्ष 10 में एंट्री

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने मौजूदा टी20 विश्व कप में 40 गेंदों पर 77 रनों की मैच-विनिंग पारी खेलकर आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बना ली है। 732 रेटिंग अंकों के साथ वह रैंकिंग में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को पीछे छोड़ते हुए, वह अब टी20 प्रारूप में आईसीसी रैंकिंग के शीर्ष 10 में पहुंचने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं।

आईसीसी रैंकिंग के पिछले अपडेट के बाद से किशन ने नामीबिया और पाकिस्तान के खिलाफ क्रमशः 61 और 77 रन बनाए हैं, जिसके चलते उन्हें रैंकिंग में इतने अंक मिले हैं। वहीं, टी20 विश्व कप में कई बार शून्य पर आउट होने के बावजूद, अभिषेक शर्मा 891 रेटिंग अंकों के साथ रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं और दूसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड के फिल साल्ट से 83 अंक आगे हैं, जिनका प्रदर्शन इस मेगा टूर्नामेंट में अब तक अच्छा नहीं रहा है।

तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं, जबकि पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान भारत के खिलाफ शून्य पर आउट होने के बाद पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। रैंकिंग में उछाल मारने वाले अन्य बल्लेबाजों में श्रीलंका के पथुम निस्संका शामिल हैं, जो टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलिया को बाहर करने वाले अपने शानदार शतक के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के ऑलराउंडर साइम अयूब ने आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान फिर से हासिल कर लिया है, जबकि हार्दिक पांड्या इस मामले में तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा शीर्ष स्थान से हट गए हैं, लेकिन वे अयूब से सिर्फ छह रेटिंग अंक पीछे हैं।

गेंदबाजों में, जिम्बाब्वे के ब्रैड इवांस 10 पायदान ऊपर चढ़कर 680 अंकों की करियर-बेस्ट रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। अन्य भारतीय गेंदबाजों में, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह क्रमशः 14वें, 15वें और 16वें स्थान पर हैं और अगले सप्ताह रैंकिंग में ऊपर चढ़ने की संभावना है क्योंकि भारत को अगले अपडेट से पहले कुछ और मैच खेलने हैं।

पंजाब प्रीमियर लीग में शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा मचाएंगे धूम, पीसीए 2026 का हुआ ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) जून 2026 में पंजाब प्रीमियर लीग (पीपीएल) का आयोजन करने जा रहा है। पंजाब की घरेलू टी20 क्रिकेट लीग अब एक नए नाम और नए प्रारूप के तहत खेली जाएगी। पीपीएल की सभी 6 टीमें फ्रेंचाइजी आधारित होंगी और खिलाड़ियों का चयन नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। पीसीए की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केवल पंजाब में पंजीकृत खिलाड़ी ही भाग लेंगे।

पंजाब प्रीमियर लीग में पंजाब के सभी प्रमुख खिलाड़ी शामिल होंगे। भारतीय टेस्ट और सीमित ओवरों के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल, भारत के नंबर 1 टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और गेंदबाज अर्शदीप सिंह को प्रमुख खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया जाएगा। इनके अलावा, रमनदीप सिंह, नेहाल वढेरा, नमन धीर, अनमोलप्रीत सिंह और प्रभसिमरन सिंह सहित अन्य अनुभवी पंजाब के खिलाड़ियों को भी प्रमुख खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया जा सकता है। वर्तमान भारतीय अंडर-19 टीम के युवा खिलाड़ी विहान मल्होत्रा भी इसमें शामिल होंगे। वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ-साथ पंजाब के अंडर-23 खिलाड़ियों को भी खेलने का मौका मिलेगा। इन दिग्गज खिलाड़ियों के अलावा, पंजाब प्रीमियर लीग में पंजाब के कई अन्य उभरते हुए क्रिकेटर भी शामिल होंगे, जिन्होंने घरेलू और आईपीएल स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है। मयंक मार्कंडे, अश्वनी कुमार, गुरनूर बराड़, हरनूर सिंह, रमन धीर और हरप्रीत बराड़ जैसे खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे, जिससे लीग को मजबूती और प्रतिस्पर्धा मिलेगी। इसके अलावा, सलिल अरोरा, रघु शर्मा और कई अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी पीपीएल का हिस्सा होंगे।

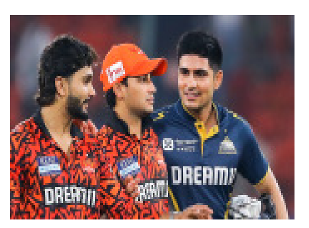

विजयी गोल करने के बाद विनीसियस जूनियर का नस्लीय दुर्व्यवहार का आरोप

रियाल मैड्रिड की जीत पर विवाद का साया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। यूईएफए चैंपियंस लीग के प्लेऑफ मुकाबले में फुटबॉल की दुनिया एक बार फिर नस्लवाद के मुद्दे पर गरमा गई है। रियाल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर ने बेनफिका के खिलाफ मैच के दौरान नस्लीय टिप्पणी किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। यह घटना तब हुई जब विनीसियस ने अपनी टीम के लिए विजयी गोल दागा और रियाल मैड्रिड को 1-0 से जीत दिलाई। खेल को तब रोक दिया गया जब विनीसियस ने दावा किया कि रियाल मैड्रिड की 1-0 से जीत के दौरान एक प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी ने नस्लीय टिप्पणी करके उनका अपमान किया।

रियाल मैड्रिड के डिफेंडर ट्रेंट अलेक्जेंडर अर्नोल्ड ने मैच के बाद कहा, "अपने करियर के दौरान उन्हें कई बार इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा है और उन्होंने इसे बखूबी संभाला है। लेकिन उनके प्रति इस तरह का व्यवहार जारी रहना और आज रात ऐसा होना फुटबॉल के लिए शर्मनाक है।" इस बीच मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को मोनाको के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। पीएसजी एक समय दो गोल से पीछे चल रहा था लेकिन स्थानापन्न खिलाड़ी डेज़ायर डूए के शानदार प्रदर्शन से वह आखिर में 3-2 से जीत हासिल करने में सफल रहा।

अन्य मैचों में गैलाटासराय ने युवेंटस को 5-2 से हराया जबकि बोरुसिया डॉर्टमुंड ने अटलांटा के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की। विनीसियस ने स्टेडियम ऑफ लाइट में बेनफिका के खिलाफ प्लेऑफ के पहले चरण में रिकॉर्ड 15 बार के चैंपियन रियाल मैड्रिड को बढ़त दिलाने के बाद रेफरी फ्रांकोइस लेटेक्सियर को नस्लवादी टिप्पणी की जानकारी दी।

उन्होंने अर्जेंटीना के खिलाड़ी जियानलुका प्रेस्टियानी की ओर इशारा किया। बेनफिका के कोच जोस मोरिन्हो ने हालांकि कहा कि उनके खिलाड़ी ने नस्लीय टिप्पणी करने के आरोपों से इनकार किया है। मोरिन्हो ने कहा, "उन्होंने मुझे अलग-अलग बातें बताईं। लेकिन कुछ तो गड़बड़ है क्योंकि हर बार ऐसा होता है। जहां भी विनीसियस खेला, वहां हमेशा कुछ न कुछ हुआ।

भारत कृत्रिम मेधा नवाचार के प्रमुख केंद्रों में से एक : एनविडिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत अपने मजबूत विकासकर्ता आधार, स्टार्टअप और साझेदार नेटवर्क के दम पर कृत्रिम मेधा (एआई) नवाचार के प्रमुख केंद्रों में शामिल हो गया है। एनविडिया के प्रबंध निदेशक (दक्षिण एशिया) विशाल धूपर ने कहा कि कंपनी देशभर के प्रौद्योगिकी दिग्गजों के साथ मिलकर बदलाव को तेज करने और विकास को नई गति देने पर काम कर रही है। धूपर ने कहा कि एनविडिया की विविध साझेदारियां बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि कृत्रिम मेधा कोई एकल उत्पाद या एक बार की खोज नहीं है। उन्होंने इसकी पांच परत (लेयर) वाले केक से तुलना करते हुए कहा कि इसके सबसे निचले स्तर पर ऊर्जा, उसके ऊपर चिप, आधारभूत ढांचा, मॉडल और फिर अनुप्रयोग हैं।

धूपर ने कहा कि इन सभी परतों का अपना अलग परिवेश है और एनविडिया, भारत के प्रौद्योगिकी दिग्गजों के साथ इस पूरी श्रृंखला के हर स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने साथ ही कहा कि भारत में एनविडिया का परिवेश निरंतर बढ़ रहा है। धूपर ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, "हमें गर्व है कि हम इस पूरी श्रृंखला की हर परत पर भारत के दूरदर्शी नेतृत्व के साथ काम कर रहे हैं।" उन्होंने बताया कि आज भारत में करीब आठ लाख डेवलपर एनविडिया के मंचों पर कृत्रिम मेधा समाधान बना रहे हैं, उन्हें प्रशिक्षित एवं क्रियान्वित लागू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' का यह "रोमांचक" सप्ताह नवाचार एवं अवसर लेकर आया है।

एआई शिखर सम्मेलन में मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग की अनुपस्थिति के सवाल पर विशाल धूपर ने कहा कि कई हफ्तों तक लगातार यात्रा के बाद शीर्ष अधिकारी अस्वस्थ हैं और उन्होंने जय पुरी को इस कार्यक्रम में कंपनी के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए भेजा है।

एआई पर दुनिया में 'विश्वास की कमी' ऋषि सुनक बोले- पॉलिसी से जीतना होगा भरोसा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर दुनिया भर में अलग-अलग सोच पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश बहुत उम्मीद दिखा रहे हैं, वहीं पश्चिमी देश इस नई टेक्नोलॉजी को लेकर चिंता में हैं। देश की राजधानी में 'एआई के दौर में राज करनाः सॉवरेनिटी, असर और स्ट्रैटेजी' इवेंट में बोलते हुए, सुनक ने ज़ोर देकर कहा कि दुनिया भर के नेताओं के लिए जनता के भरोसे में इस अंतर को दूर करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

सुनक ने कहा कि दुनिया भर में हम एआई को लेकर ये अलग-अलग नज़रिए देख रहे हैं। भारत जैसे देशों में, जहाँ हम हैं, बहुत उम्मीद और भरोसा है, और पश्चिमी देशों में, हम देख रहे हैं कि एआई को लेकर चिंता अभी भी सबसे बड़ी भावना है। यूके के पूर्व प्रधानमंत्री ने आगे बताया कि इस भरोसे की खाई को पाटने के लिए सिर्फ़ टेक्नोलॉजी में तरक्की से ज़्यादा की ज़रूरत होगी, उन्होंने लोगों का भरोसा बढ़ाने के लिए सोच-समझकर पॉलिसी में दखल देने की बात कही। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि भरोसे की इस कमी को पाटना जितना टेक्निकल काम है, उतना ही पॉलिसी का भी काम है। सुनक की बातें यूके के पूर्व पीएम ऋषि सुनक के साथ एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान मेटा के एलेक्जेंडर वांग की एक फायरसाइड चैट में सामने आईं। यह समिट 20 फरवरी तक चलने वाला है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ग्लोबल चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए दुनिया भर के सरकारी पॉलिसीमेकर, इंडस्ट्री एआई एक्सपर्ट, एकेडमिशियन, टेक्नोलॉजी इनोवेटर और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि एक साथ आए हैं। ग्लोबल साउथ में हो रहे पहले ग्लोबल एआई समिट के तौर पर, इस इवेंट का मकसद एआई की बदलाव लाने की क्षमता पर सोचना है, जो भारत के 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' (सबका भला, सबकी खुशी) के नेशनल विज़न और एआई फॉर ह्यूमैनिटी के ग्लोबल सिद्धांत के साथ मेल खाता है। इस समिट में 110 से ज़्यादा देश और 30 इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें लगभग 20 देश या सरकार के हेड और लगभग 45 मिनिस्टर शामिल हैं।

पेनी स्टॉक ने बदली किस्मत! 65 पैसे का शेयर बना 32, 1 लाख के बना दिए 50 लाख!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। स्टॉक मार्केट की मौजूदा उठापटक के बीच कुछ चुनिंदा शेयर निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहे हैं। ऐसा ही एक नाम है काबरा ड्रग्स लिमिटेड, जिसने लंबी अवधि के निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न देकर चौंका दिया है।

फरवरी 2019 में महज 65 पैसे पर ट्रेड करने वाला यह पेनी स्टॉक अब बीएसई पर करीब ?32 के स्तर पर पहुंच चुका है यानी करीब सात साल में इसने लगभग 4960इ का रिटर्न दिया है। अगर किसी निवेशक ने उस समय ?1 लाख लगाए होते और होल्ड बनाए रखा होता, तो उसकी वैल्यू आज लगभग ?50 लाख के आसपास पहुंच सकती थी।

वित्त वर्ष 26 की दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 2.56 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 53.69 लाख रुपए का घाटा हुआ था यानी साल-दर-साल आधार पर 578इ का उछाल देखने को मिला। रेवेन्यू भी 30.42 करोड़ रुपए रहा, जो पिछली तिमाही के 19.76 करोड़ रुपए से करीब 54इ ज्यादा है।

कंपनी ने देशभर में 200 चैनल पार्टनर्स जोड़ने के लिए एमआर फ्रैंचाइज के साथ समझौता किया है, जिससे डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क मजबूत होगा। इसके अलावा बोर्ड ने वासमान ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड के अधिग्रहण, नाम बदलने और बिजनेस डायवर्सिफिकेशन को मंजूरी दी है।

हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पेनी स्टॉक्स में रिटर्न जितना बड़ा होता है, जोखिम भी उतना ही ज्यादा रहता है। ऐसे में निवेश से पहले रिसर्च, पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन और लंबी अवधि की रणनीति बेहद जरूरी है।

प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड में अपनी सफलता का श्रेय ऐश्वर्या राय और इरफान खान को दिया

वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे अपनी जड़ों और अपने वरिष्ठों का कितना सम्मान करती हैं। हाल ही में सालाना हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं प्रियंका ने हॉलीवुड में अपने संघर्ष और सफलता पर खुलकर बात की और इसका श्रेय भारतीय सिनेमा के उन 'पायनियर्स' को दिया जिन्होंने उनके लिए रास्ते खोले। उन्होंने इन पर्सनैलिटीज़ को ट्रेलब्लेज़र बताया जिनकी अचीवमेंट्स ने दूसरों के लिए उनके नक्शेकदम पर चलना मुमकिन बनाया।

इंडस्ट्री में अपनी जगह के बारे में सोचते हुए, चोपड़ा ने जर्नलिस्ट अंजुला आचार्य से कहा, 'मुझे सच में यकीन है कि मैं उन कमाल के आर्टिस्ट्स और टैलेंट्स के कंधों पर खड़ी हूँ जो मुझसे पहले आए थे। ऐश्वर्या राय, जब वह हॉलीवुड में काम कर रही थीं तो एक आइकॉन थीं, इरफान खान, बेशक, मिंडी कलिंग। और मैं दरवाज़ा खोल पाई और जिस पर मैं यकीन करती हूँ उसके लिए खड़ी हो पाई क्योंकि उन्होंने वही किया जो उन्होंने किया।' एक्टर ने हॉलीवुड में अपनी जगह बनाने के काबिल बनाने के लिए उनके पायनियरिंग काम को क्रेडिट दिया।

कॉन्फ्रेंस के बाद, चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल नोट पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि इवेंट में इतने सारे 'देसी लोगों' को ट्रेडिशनल कपड़ों में देखकर वह बहुत खुश हुईं। उन्होंने याद किया कि जब वह 12 साल की उम्र में पहली बार यूनाइटेड स्टेट्स आई थीं, तो उन्हें ऐसी जगहों पर अपने जैसे दिखने वाले लोग बहुत कम मिले थे।

ऐश्वर्या राय उन पहली इंडियन एक्टर्स में से एक हैं जिन्हें वेस्टर्न फिल्मों में बड़े रोल मिले। ब्राइड एंड प्रेजुडिस, द मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेस और द पिंक पैंथर 2 जैसे प्रोजेक्ट्स में उनकी परफॉर्मेंस ने इंडियन रिप्रेजेंटेशन को ग्लोबल ऑडियंस तक पहुंचाया। कान्स में राय के रेगुलर अपीयरेंस और इंटरनेशनल कैंपेन में शामिल होने से उनकी पहुंच और बढ़ी। इरफान खान ने द नेमसेक, लाइफ ऑफ पाई, जुरासिक वर्ल्ड और स्लमडॉग मिलियनेयर जैसी फिल्मों में यादगार परफॉर्मेंस दी हैं।

चोपड़ा ने अमेरिका एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक क्रिएटर और परफॉर्मर के तौर पर मिंडी कलिंग के काम को इंस्पिरेशन का एक और सोर्स बताया। मेनस्ट्रीम टेलीविज़न और फ़िल्म में कलिंग की सफलता ने नॉर्थ अमेरिका में साउथ एशियन कलाकारों के लिए ज़्यादा मौके दिए हैं।

'धुरंधर' के बाद चमकी आयशा खान की किस्मत! आयशा खान के साथ इस बड़ी फिल्म में आएंगी नजर?

आदित्य धर की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' से जबरदस्त पॉपुलैरिटी पाने वाली एक्ट्रेस आयशा खान इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इस गाने में उनके डांस मूव्स और एक्सप्रेशन ने हर किसी को अपना दीवाना बना लिया था। इसके बाद आयशा को कपिल शर्मा की मूवी 'किस किसको प्यार करूं 2' में देखा गया था। इसी बीच अब खबर है कि, आयशा के हाथ एक बड़ी फिल्म लगी है, जिसमें वो अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

दरअसल, साल 2006 में आई डायरेक्टर प्रियदर्शन की फिल्म 'भागम भाग' का करीब 20 साल के बाद सीक्वल 'भागम भाग 2' आने वाला है, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी डायरेक्टर राज शांडिल्य को दी गई है। यही वो फिल्म है जिसमें अक्षय कुमार के साथ आयशा खान स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। आयशा और अक्षय के अलावा इस मूवी का हिस्सा एक्ट्रेस मीनाक्षी चौधरी भी हैं।

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की रिपोर्ट की माने तो इस फिल्म में आयशा खान को एक बेहद अहम रोल के लिए कास्ट किया गया है। हालांकि, उनके किरदार को लेकर अभी कोई ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इस मूवी में आयशा की मौजूदगी उनके फैंस को काफी ज्यादा एक्साइटेड कर रही है। बता दें कि, 'भागम भाग 2' के पहले पार्ट 'भागम भाग' में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल और गोविंदा की तिकड़ी दिखी थी और तीनों ने मिलकर कॉमेडी का ऐसा तड़का लगाया था कि, आज भी वो अपनी इस मूवी के लिए जाने जाते हैं।

खबरों के मुताबिक, 'भागम भाग' के सीक्वल का गोविंदा हिस्सा नहीं है। कुछ समय पहले ऐसी खबरें थी कि, गोविंदा की जगह इस बार फिल्म में मनोज बाजपेयी को 'भागम भाग 2' कास्ट कर लिया गया है। हालांकि, इसकी अभी तक कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है और न ही फिल्म कब तक रिलीज होगी इसके बारे में कोई जानकारी है।

आपको बता दें कि, आयशा खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत एकता कपूर के शो 'कसौटी जिंदगी की 2' में बतौर जूनियर आर्टिस्ट की थी। इसके बाद उन्हें 2020 में टीवी सीरियल 'बालवीर रिटर्न्स' में देखा गया था। छोटे पर्दे पर पहचान बनाने के बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों की तरफ रुख किया और 2022 में तेलुगु फिल्म 'मुखाचित्रम' से उन्होंने बड़े पर्दे पर कदम रखा। इसके बाद आयशा ने साउथ कि कई फिल्मों में काम किया, लेकिन पहचान उन्हें सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' से मिली।